शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 13 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 9 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीएम के फर्जी ऑडियो क्लिप के जरिए मणिपुर में शांति भंग करने की कोशिश — पेज 2
बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाए केंद्र सरकार : विहिप — पेज 3
कैबिनेट का फैसला : हरियाणा में 58 साल तक नौकरी पर बने रहेंगे कच्चे कर्मचारी — पेज 5
पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात — पेज 7

वक्फ विधेयक लोस में पेश, संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की सिफारिश

नई दिल्ली (हि.स.)। सरकार की ओर से लोकसभा में पेश किए वक्फ संपत्ति से जुड़े विधेयक को संसद की संयुक्त समिति को भेजा जाएगा। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को विधेयक को संसद में पेश किया और इसको संसद की संयुक्त समिति को भेजने की सिफारिश की। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वे सभी दलों के साथ चर्चा कर जेपीसी का गठन करेंगे। लोकसभा में आज केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने *वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024* पेश किया। साथ ही इससे जुड़े निष्क्रिय हो चुके पुराने अधिनियम को कागजों से हटाने के लिए मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2024 पेश किया। लोकसभा ने दोनों विधेयकों को ध्वनिमत से सदन में पेश किए जाने की मंजूरी प्रदान की। नए विधेयक का नाम एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम होगा। अंग्रेजी में यूनिफाइड वर्क मैनेजमेंट एंपावरमेंट एफिशिएंट एंड -शेष पृष्ठ दो पर

बिल का विरोध करेंगे देश भर के मुसलमान : जमीअत

नई दिल्ली (हि.स.)। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने गुरुवार को वक्फ बोर्ड पर संसद में प्रस्तुत किए गए नए संशोधित बिल पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इन संशोधनों के जरिए सरकार वक्फ की संपत्तियों की स्थिति और स्वभाव को बदल देना चाहती है, ताकि उन पर कब्जा करना आसान हो जाए। नया संशोधन पारित हो जाने पर कलेक्टर -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन, मुख्य सलाहकार के रूप में डॉ. यूनुस ने ली शपथ

ढाका। शेख हसीना की सरकार गिरने के तीन दिन बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहक के रूप में शपथ ली। उन्होंने बंगभवन के दरबार हॉल में राष्ट्रपति मोहम्मद सहाबुद्दीन के समक्ष शपथ ली। डॉ. यूनुस रात 9:20 मिनट पर अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद 16 सलाहकार पार्षदों के नामों की घोषणा की गई। इनमें डॉ. सालेह उद्दीन अहमद, डॉ. आसिफ नजरूल, आदिलुर रहमान खान, हसन आरिफ, तौहीद हुसैन, सैयदा रेजवाना हसन, शर्मिन मुर्शिद, फारूकी आजम, ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन, सुप्रदीप चकमा, बिधान रंजन रॉय, एएफएम खालिद हसन, फरीदा अख्तर, नूरजहां बेगम, मो. नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद सजीव भुईयां शामिल हैं। इन सलाहकारों में बिधान रंजन रॉय, फारुकी आजम और सुप्रदीप चकमा ढाका से बाहर हैं, इसलिए राष्ट्रपति ने बाकी 14 को शपथ दिलाई।

doorgraph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सबसे बड़ा गुरु मंत्र, अपने राज किसी को भी मत बताओ। ये तुम्हे खत्म कर देगा।
- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

विहिप ने केंद्र से की बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा करने अपील की

भोपाल। बांग्लादेश में जारी हिंसा और अशांति के बीच विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने गुरुवार को केंद्र सरकार से अपील की कि वहां के हिंदुओं की रक्षा की जाए और सुनिश्चित किया जाए कि शरणार्थियों की आड़ में *जिहादी* भारत में न घुसें। एक रिपोर्ट के अनुसार वीएचपी मध्य भारत के प्रांत मंत्री (सचिव) राजेश जैन ने भोपाल -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश : भारत ने सभी भारतीय वीजा केंद्र किए बंद

नई दिल्ली। बांग्लादेश में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद हिंसक घटनाएं और बढ़ गई हैं। देश में हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की जा रही है। यही नहीं राजधानी ढाका, चटगांव और कुलना समेत अन्य क्षेत्रों में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। महिलाओं पर भी हमले -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में बाल विवाह रोकने के लिए एक और पहल

सरकार ने छात्राओं के लिए शुरू की निजुत मोइना आसोनी

गुवाहाटी। असम सरकार ने बाल विवाह को रोकने के लिए गुरुवार को छात्राओं को हर महीने आर्थिक लाभ प्रदान करने की योजना शुरू की। मामले से परिचित सरकारी अधिकारियों ने बताया कि इस योजना - मुख्यमंत्री निजुत मोइना असोनी (एमएमएनएमए) के तहत करीब दस लाख छात्राओं को शामिल किया जाएगा और पहले वर्ष में इस पर 300 करोड़ रुपए तथा पांच वर्ष की अवधि में करीब 1500 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। राज्य सरकार के अनुसार, इस योजना से स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में लड़कियों के नामांकन अनुपात में वृद्धि होगी और इस वर्ष लगभग 200,000 से अधिक छात्राओं के शैक्षणिक संस्थानों में दाखिला लेने की उम्मीद है। राज्य में बाल विवाह को समाप्त करने के अपने उद्देश्य पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019-21 में पाया गया है कि 20-24 आयु वर्ग की 31.8 प्रतिशत महिलाएं मां हैं, जो दर्शाता है कि इनमें से अधिकांश महिलाओं की शादी कानूनी रूप से स्वीकार्य 18 वर्ष की आयु से पहले हो गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी शादी तब हुई जब वे परिपक्व नहीं थीं, उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी नहीं की थी या शारीरिक रूप से बच्चे पैदा करने में सक्षम नहीं थीं। कुछ मामलों में, ये लड़कियां घरेलू हिंसा का भी शिकार हुईं। उन्होंने कहा कि नई योजना का उद्देश्य अधिक लड़कियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने, आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और उचित उम्र में शादी करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। राज्य के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने इस योजना को शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री शर्मा को धन्यवाद दिया और कहा कि बाल विवाह से निपटने और छात्राओं के लिए सुरक्षित शैक्षिक भविष्य प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी योजना असम में महिला शिक्षा के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि मैं राज्य सरकार के हाई -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-बांग्लादेश सीमा पूरी तरह सुरक्षित : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भारत-बांग्लादेश सीमा पूरी तरह सुरक्षित है। सीमा पर पूरी तरह से चौकसी बरती जा रही है। बांग्लादेश से कोई भी व्यक्ति अवैध तरीके से अब तक भारत में प्रवेश नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उपयुक्त वीजा और पासपोर्ट के साथ लोग बांग्लादेश से भारत में आ रहे हैं। मुख्यमंत्री आज एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम और असम आज करेंगे सीमा वार्ता

एजल। मिजोरम और असम के बीच शुक्रवार को मंत्रिस्तरीय वार्ता होगी, जिसमें दो पूर्वोत्तर राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाया जाएगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक एजल स्थित राज्य अतिथि गृह में शाम चार बजे होगी। अधिकारियों ने बताया कि मिजोरम के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गृह मंत्री के. सपदांगा करेंगे, जबकि असम के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीमा सुरक्षा एवं विकास मंत्री अतुल बोरा करेंगे। पिछले वर्ष दिसंबर में मुख्यमंत्री लालदुहोमा के -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदुओं को निशाना न बनाया जाए

एससी बार एसोसिएशन ने बांग्लादेशी समकक्ष को लिखा पत्र

नई दिल्ली। बांग्लादेश में शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से उथल-पुथल जारी है। प्रदर्शनकारियों की तरफ से हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। इस हिंसा में खासकर हिंदुओं को टारगेट किया जा रहा है। पूर्व एससीबीए अध्यक्ष ने हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेशी बार प्रमुख को पत्र लिखा। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के निवर्तमान अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने बांग्लादेश में टॉप अदालत बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महबूबुद्दीन खोकोन से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि पड़ोसी देश में उथल-पुथल के बीच जानबूझकर हिंदुओं को निशाना नहीं बनाया जाए। उनकी अपील बांग्लादेश में अशांति के दौरान धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेशियों ने भारतीय सीमा में घुसने का किया प्रयास, बीएसएफ ने भेजा वापस

किशनगंज (हि.स.)। बांग्लादेश में जारी हिंसा और उपद्रव को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर अलर्ट घोषित किया गया है। बीते कई दिनों से बांग्लादेश में हिंसा जारी है। उपद्रव और हिंसा के भय से बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी नागरिक देश छोड़ने की कोशिशों में जुटे हुए है ताकि उनके जान माल की रक्षा हो सके। उसी क्रम में गुरुवार को किशनगंज से सटे बंगाल के इस्लामपुर थाना क्षेत्र से सटे बांग्लादेश की सीमा पर सैकड़ो बांग्लादेशी नागरिक आ गए और भारत से शरण मांगने लगे। बांग्लादेशी नागरिकों के बॉर्डर पर जमा होने की सूचना के बाद बीएसएफ कमांडेंट अजय शुक्ला, इस्लामपुर -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी की टीम पहुंची श्रीनगर, राजनीतिक दलों ने जल्द चुनाव कराने के दिए सुझाव

श्रीनगर (हि.स.)। केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की गुरुवार को जम्मू-कश्मीर पहुंची एक टीम से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने श्रीनगर के शेरे-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में मुलाकात की। सभी ने जम्मू और कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के प्रांतीय अध्यक्ष नासिर असलम वानी के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने और पीडीपी, भाजपा के सदस्यों ने ईसीआई की टीम से मुलाकात की है। एनसी के प्रांतीय अध्यक्ष वानी ने कहा कि आज हम ईसीआई से मिलने आए हैं। यह अच्छा है कि चुनाव आयोग हमारी बात सुनने के लिए यहां आया है और हमें उम्मीद है कि अब सही निर्णय लिया जाएगा। वानी ने संवाददाताओं से कहा कि जम्मू और कश्मीर के लोग पिछले दस वर्षों से एक निर्वाचित -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का 80 वर्ष की आयु में निधन

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के 34 साल के वाम मोर्चा शासन के दूसरे और अंतिम मुख्यमंत्री और वयोवृद्ध वामपंथी नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन हो गया है। उनकी उम्र 80 वर्ष थी। गुरुवार सुबह उनके बेटे सुचेतन भट्टाचार्य ने यह जानकारी दी है। बुद्धदेव भट्टाचार्य ने 2000 से 2011 तक लगातार 11 वर्षों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। गुरुवार सुबह उनके बेटे सुचेतन ने बताया कि सुबह बुद्धदेव ने नाश्ता किया था, लेकिन उसके बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और सुबह 8:20 बजे पाम एवेन्यू स्थित उनके घर पर ही उनका निधन -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय हॉकी टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

52 साल बाद भारत ने लगातार जीते दो पदक

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। टीम इंडिया की ओर से दोनों गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए। वहीं भारत ने ओलंपिक्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल जीता है। जबकि भारत की झोली में ये चौथा मेडल आया है। इसके साथ ही भारतीय हॉकी टीम ने अपने गोलकीपर पीआर श्रीजेश को ब्रॉन्ज मेडल के साथ बेहतरीन विदाई दी है। बता दें कि, ये श्रीजेश के करियर का आखिरी मैच था। बता दें कि, इससे पहले टोक्यो ओलंपिक 2020 -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने हॉकी टीम को दी बधाई

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर हमारी हॉकी टीम को हार्दिक बधाई। यह पांच दशक से भी अधिक समय के बाद हुआ है जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीते हैं। भारतीय हॉकी के पुनरुत्थान के लिए टीम सबसे अधिक प्रशंसा की पात्र है। -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान ने एक ही दिन में 29 लोगों को दे दी फांसी

तेहरान। पिछले दिनों इजराइल द्वारा तेहरान में हमास चीफ इस्माल हनिया की हत्या के बाद ईरान सुर्खियों में। एक तरफ दुनिया जहां बांग्लादेश संकट पर नजरें गाढ़े बैठी है वहीं अब ईरान से एक और चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। दरअसल, ईरान ने एक ही दिन में 29 लोगों को फांसी की सजादेकर पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान की जेल में 26 लोगों को और अन्य 3 लोगों को करज शहर की जेल में फांसी दी गई। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, जिन 29 लोगों को फांसी की सजा दी गई, उनमें 2 अफगानिस्तान के नागरिक भी हैं। फांसी पाने वाले लोग हत्या, नशीले पदार्थों की तस्करी और रेप के आरोपी थे। रिपोर्ट के अनुसार नॉर्वे की ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी और सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स इन ईरान के हवाले से फांसी की सजा देने की पुष्टि की है। हालांकि, कुछ लोगों का ये भी कहना है कि ईरान पर 2022 के विरोध प्रदर्शनों में शामिल लोगों को मौत की सजा दे रहा है, ताकि लोगों में डर पैदा हो सके। इन 29 लोगों की फांसी, ईरान में न्यायिक प्रक्रिया और मानवाधिकारों के उल्लंघन के बारे में वैश्विक बहस को फिर से शुरू कर दिया है। कई मानवाधिकार संगठनों का दावा है कि ईरान में न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है और कई मामलों में दोषियों को निष्पक्ष सुनवाई का मौका नहीं मिलता है। ईरान की सरकार का कहना है कि वह अपने देश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आतंकवाद और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सीएम के फर्जी ऑडियो क्लिप के जरिए मणिपुर में शांति भंग करने की कोशिश

इंफाल। मणिपुर सरकार ने गुरुवार को कहा कि पुलिस एक ऑडियो क्लिप की उत्पत्ति की जांच कर रही है, जिसमें कथित तौर पर मुख्यमंत्री बीरेन सिंह द्वारा कुछ समुदायों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। सरकार ने क्लिप को *फर्जी* करार दिया और कहा कि इसे जातीय हिंसाग्रस्त राज्य में चल रही *शांति प्रक्रिया* को बाधित करने के प्रयास में सोशल मीडिया पर जारी किया गया था। सरकार के संज्ञान में आया है कि एक ऑडियो रिकॉर्डिंग, जिसे मणिपुर के मुख्यमंत्री का होने का झूठा दावा किया जा रहा है, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित की जा रही है। राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि यह छेड़छाड़ किया गया ऑडियो कुछ वर्गों द्वारा सांप्रदायिक हिंसा भड़काने या कई स्तरों पर शुरू की गई शांति की प्रक्रिया को पटरी से उतारने का एक दुर्भावनापूर्ण प्रयास है। बयान में रिहाई को शांति पहल को बाधित करने की *साजिश* करार देते हुए कहा गया कि मणिपुर पुलिस सक्रिय रूप से मामले की जांच कर रही है और इस बदनाम अभियान की उत्पत्ति को उजागर करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि शांति की बहाली उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, यह ऑडियो क्लिप बुधवार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रही है। मेइतेई भाषा में बात करते हुए एक आदमी की आवाज को कुछ व्यक्तियों के साथ बातचीत करते हुए सुना जा सकता है। कुकी छात्र संगठन (केएसओ) ने एक बयान में दावा किया कि ऑडियो क्लिप में बीरेन सिंह की टिप्पणी है।

होजाई में बाइकसवार से 7.50 लाख के नकली नोट बरामद

मोरीगांव (हिंस)। होजाई पुलिस की छापामारी में 7 लाख 50 हजार रुपए मूल्य के भारतीय मुद्रा का नकली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि होजाई के मराझार थाना प्रभारी निखिल चंद्र रॉय के नेतृत्व में पुलिस ने एक सूचना के आधार पर मराझार में आमबारी-गनीपुर रोड पर छापा मारा और अब्दुल करीम नामक एक बाइक सवार से 7 लाख 50 हजार रुपए मूल्य के नकली नोट बरामद किए। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

हेरोइन समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की एक टीम ने ड्रग्स समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने गुरुवार को बताया कि दिसपुर थाना क्षेत्र इलाके के एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग के असम एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी खानापारा केंपस के पास चलाया गया अभियान के दौरान एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार के पास से 29 प्लास्टिक के छोटी शीशी में भरकर रखे गए 38.5 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन, नगद 3,200 रुपए के अलावा एक स्कूटी (एएस-01एफटी-3972) जब्त किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान सांगसुमा बासुमतारी उर्फ सूदिम (33, उदालगुड़ी) के रूप में की गई है।

सड़क हादसे में बाइकसवार की मौत

कामरूप (हिंस)। जिले के बाईहाटा चारिआली के बरपलहा में बाइक और ट्रैक्टर की आमने-सामने की टक्कर में बाइकसवार की मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बरपलहा में बाइक में ट्रैक्टर की भिड़ंत में बाइकसवार गोरेश्वर कॉलेज के दिवंगत प्राचार्य खड़गेश्वर डेका के पुत्र देबाशीष डेका की मौत हो गई।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

NO.30PSC/E-4/2023-24

NOTIFICATION

In continuation of this office Notification No.1 1PSC/E-4/2023-24 Dated 22nd May/2023 and No.20PSC/E-4/2023-24 Dated 20th June/2024 this is for information to all concerned that the **Half Yearly Departmental Examination, 2023** will be held on **28th, 29th, 30th and 31st August, 2024** in Guwahati Centre only for technical reasons as the Examination will be conducted in CBT mode (DIGI OMR). The **Tribal Language Examination** will be held on **1st September, 2024** in Guwahati **Centre (O/O Assam Public Service Commission).**

Candidates who had opted for Jorhat and Silchar Centre will have to appear in Guwahati Centre (O/O Assam Public Service Commission).

Only those candidates who had applied on or before the last date of submission of application form i.e. **21st June, 2023** are eligible to appear in the **Half Yearly Departmental Examination, 2023.**

Sd/-
secretary,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22.

-- Janasanyog/D/3844/24/9-Aug-24

सरूपेटा में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

बजाली (हिंस)। बजाली जिले के सरूपेटा रेलवे स्टेशन पर आज रेलवे लाइन पार करने के दौरान एक महिला तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गई। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। महिला की पहचान निर्माली नाथ (45) के रूप में हुई है। ट्रेन हादसे में महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। महिला अपनी मां के साथ बरतारी से सरभोग जाने के लिए स्टेशन पर आई थीं।

सेवक - रंगपो नई रेल लिंक परियोजना टनल संख्या टी-06 को मिला ब्रेकथ्रू

गुवाहाटी (हिंस)। पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग जिला स्थित सेवक-रंगपो रेल परियोजना (एसआरआरपी) की टनल संख्या टी-06 (3943 मीटर) को 6 अगस्त को ब्रेकथ्रू मिला। इस परियोजना का यह एक प्रमुख माइलस्टोन है। इस परियोजना में कुल 14 टनल हैं। इस टनल के बनने से इस परियोजना के 12 टनलों में माइनिंग कार्य सफलता पूर्वक पूरा हो चुका है। 577 मीटर लंबी निकासी सुरंग के साथ मुख्य टनल टी-06 की लंबाई 3943 मीटर है, जो पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग जिला स्थित एनएचपीसी, तीस्ता लोडैम पावर स्टेशन श्री के पास स्थित है। मुख्य टनल यंग हिमालय के अति संवेदनशील एवं चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय और भूकंपीय स्थितियों से होकर गुजरती है। एसआरआरपी में अन्य सभी टनलों की तरह, भू-द्रव्यमान की भेद्यता का मुकाबला करने के लिए यहां नवीनतम और सबसे सॉफिस्टिकेटेड टनलिंग तकनीक यानी न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग मेथड (एनएटीएम) को अपनाया गया है। सेवक- रंगपो नई रेल लाइन परियोजना का 66 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। सेवक (पश्चिमबंगाल) और रंगपो (सिक्किम) को जोड़ने वाली सेवक-रंगपो नई रेल लिंक परियोजना लगभग 44.96 किमी लंबी है और इसमें 14 टनल, 13 बड़े पुल, 09 छोटे पुल और 5 स्टेशन शामिल हैं।

चोरी की स्कूटी के साथ चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के भागांगढ़ पुलिस ने चोरी की एक स्कूटी समेत एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि नूनमाती इलाके से चोरी की गई स्कूटी (एएस-01एएफएफ-7394) को बरामद किया गया है। स्कूटी चोर ने स्कूटी का रंग बदल दिया था। स्कूटी के इंजन नंबर से स्कूटी की पहचान करने के बाद उसे जब्त किया गया है। इस मामले में स्कूटी चोर सफीकुल इस्लाम (पत्थरकुवारी) को गिरफ्तार किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

वक्फ विधेयक लोस ...

डेवलपमेंट यानी उम्मीद। लोकसभा में विधेयक का विपक्ष ने एकजुट होकर विरोध किया। इसे पेश किए जाने का कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, एनसीपी (एसपी), वाइएसआर कांग्रेस, द्रमुक, नेशनल कांफ्रेंस, माकपा, भाकपा, एआईएमआईएम और एआईएमएल सहित विभिन्न विपक्षी पार्टियों ने विरोध किया। इस दौरान जनता दल (यू), शिवसेना ने विधेयक का समर्थन किया। वहीं सरकार में शामिल तेलगु देशम पार्टी ने विधेयक को प्रवर समिति को भेजे जाने की सिफारिश की। लोकसभा अध्यक्ष की अनुमति से विधेयक को पेश किए जाने पर विपक्ष के कई नेताओं ने अपना विरोध दर्ज कराया। विपक्ष के नेताओं के विभिन्न मुद्दों पर बाद में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया। शून्यकाल के बाद विधेयक को पेश किए जाने पर करीब ढाई घंटे चर्चा चली। इसके बाद मंत्री ने विधेयक को आगे विचार के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजे जाने की अनुशंसा की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने विपक्ष के आरोपों का सदन में जवाब देते हुए विधेयक को लाए जाने के कारणों को गिनाया। उन्होंने विपक्ष से अनुरोध किया कि विधेयक को धार्मिक नहीं बल्कि इंसाफ की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। विधेयक व्यापक चर्चा के बाद लाया गया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान की गई सिफारिशों को इनमें शामिल किया गया है। असल में कांग्रेस जो नहीं कर पाई, वे हम करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्ति का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है, इससे जितना आर्थिक लाभ मिलना चाहिए नहीं मिल पा रहा है। वक्फ बोर्ड में सभी मुसलमानों के सभी वर्गों के लिए स्थान नहीं है। इससे जुड़े कानून में कई ऐसे प्रावधान हैं जो अन्य कानूनों को कमतर करते हैं। यहां तक कि उन्हें शिकायत मिली है कि इसमें माफिया लोग बैठे हैं। इसके प्रावधानों का अनुचित उपयोग कर विकास कार्यों में बाधा डाली जा रही है और बिना किसी वैध प्रमाण के संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित किया जा रहा है।

बिल का विरोध...

राज अस्तित्व में आएगा और वक्फ ट्रिब्यूनल का फैसला अंतिम नहीं होगा, बल्कि कलेक्टर का फैसला अंतिम होगा। वक्फ एक्ट में किया जाने वाला प्रस्तावित संशोधन भारतीय संविधान के जरिए प्राप्त धार्मिक स्वतंत्रता के भी खिलाफ है, जो भारतीय संविधान की धारा 14, 15 और 25 का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि उक्त संशोधन से न्यायिक स्वतंत्रता समाप्त हो जाएगी और यह संशोधन पक्षपात करने वाला भी है, जो संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। वक्फ मुसलमानों के महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्यों में शामिल है। वक्फ ट्रिब्यूनल समाप्त करके कलक्टर के पास अधिकार दिए जाने से भारत की न्यायिक स्वतंत्रता समाप्त हो जाएगी। मौलाना मदनी ने कहा कि यह हिंदू-मुस्लिम का मामला नहीं, बल्कि देश के संविधान, नियम और धर्मनिरपेक्षता का मुद्दा है, यह बिल हमारी धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि केंद्र में जब से यह सरकार आई है, तभी से विभिन्न हथकंडों और बहानों से मुसलमानों को भय में रखने के लिए ऐसे-ऐसे नए कानून ला रही है, जिससे हमारे धार्मिक मामलों में खुला हस्तक्षेप होता है। हालांकि, सरकार यह बात भली-भांति जानती है कि मुसलमान हर नुकसान सह सकता है लेकिन अपनी शरीयत में कोई हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर सकता। मौलाना मदनी ने स्पष्ट किया कि मुसलमानों की दान की हुई संपत्ति अल्लाह को समर्पित होती है लेकिन सरकार की नीयत खराब है, वो हमारे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करके मुसलमानों की कीमती संपत्तियों को हड़प करना चाहती है। हमें ऐसा कोई संशोधन स्वीकार नहीं होगा, जो वक्फकर्ता की इच्छा के विपरीत हो या जो वक्फ की स्थिति को बदल दे।

सरकार ने छात्राओं ...

स्कूल/हाई स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों की सभी छात्राओं से आग्रह करता हूं कि वे आज से ही *मुख्यमंत्री संतुष्ट मोइना योजना* के लिए फॉर्म जमा करना शुरू कर दें। योजना के अनुसार, कक्षा 10 पास करने वाली और कक्षा 11 में दाखिला लेने वाली छात्राओं को कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा पूरी करने तक दो साल तक 1,000 रुपए प्रति माह (गर्मी की छुट्टियों के दो महीने को छोड़कर) मिलेंगे। शर्मा ने कहा कि यह राशि हर महीने की 11 तारीख को उनके बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी। जिन लड़कियों ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा पास कर ली है और डिग्री कोर्स में दाखिला ले लिया है, उन्हें अगले तीन से चार साल तक 1,250 रुपए का मासिक वजीफा मिलेगा, जब तक कि वे अपना ग्रेजुएशन पूरा नहीं कर लेतीं। शर्मा ने कहा कि जिन लड़कियों ने स्नातक और स्नातकोत्तर कोर्स में दाखिला ले लिया है, उन्हें अपना कोर्स पूरा करने तक 2,500 रुपए प्रति माह मिलेंगे। शर्मा ने कहा कि स्कूल और कॉलेज की वे छात्राएं जो विवाहित हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। लेकिन अगर वे स्नातकोत्तर की पढ़ाई के दौरान विवाहित हैं, तो उन्हें इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना से उन अभिभावकों पर बोझ कम होगा, जो कभी-कभी आर्थिक बाधाओं के कारण अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाने में असमर्थ होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और मेधावी छात्रों के बच्चे, जिन्हें सरकार द्वारा स्कूटर और अन्य लाभ दिए जाते हैं, इस योजना का लाभ नहीं उठा पाएंगे। निजी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र भी एमएमएनएमए योजना का लाभ नहीं उठा पाएंगे। मौजूदा सरकारी योजना के अनुसार, अपने स्कूल में 60 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाली छात्राएं सरकार से स्कूटर पाने की पात्र हैं। इस साल करीब 50,000 लड़कियों को यह लाभ मिलने की उम्मीद है।

भारत-बांग्लादेश सीमा...

रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में तख्तापलट होने की वजह से कोई भी वहां से भारत में नहीं आया है। उन्होंने कहा कि हम सीमा की पूरी तरह सुरक्षा करने तथा अवैध अनुप्रवेश को रोकने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास के साथ कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार बांग्लादेश की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। बांग्लादेश में रह रहे हर हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी आदि लोगों की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर है।

मिजोरम और असम...

नेतृत्व में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के सत्ता में आने के बाद से यह दोनों राज्यों के बीच पहली सीमा चर्चा होगी। वार्ता के बाद, बोरा और उनकी टीम शनिवार को गुवाहाटी के लिए रवाना होने से पहले लालदुहोमा के साथ शिष्टाचार बैठक करेंगे। सपदांगा ने उम्मीद जताई है कि बातचीत से सीमा विवाद का सकारात्मक समाधान निकल सकता है। उन्होंने कहा कि अगस्त 2021 में सीमा वार्ता शुरू होने के बाद से दोनों राज्यों ने विवादित क्षेत्रों पर यथास्थिति का पालन किया है। फरवरी में लालदुहोमा और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के बीच वार्ता के लिए सहमति होने के बावजूद, लोकसभा चुनावों के कारण कार्यक्रम संबंधी विवादों के कारण चर्चा में देरी हुई। सीमा विवाद में मिजोरम के तीन जिले - एजल, कोलासिब और ममित - शामिल हैं, जो असम के कछार, करीमगंज और हैलाकांडी जिलों के साथ 164.6 किमी की सीमा साझा करते हैं। यह विवाद दो औपनिवेशिक युग के सीमांकनों से उत्पन्न हुआ है - बंगाल पूर्वी सीमा विनियमन (बीईएफआर) के तहत 1875 की अधिसूचना और 1933 का भारतीय सर्वेक्षण मानचित्र। मिजोरम का दावा है कि 1875 की अधिसूचना के अनुसार, इनर लाइन रिजर्व फॉरेस्ट के भीतर 509 वर्ग मील का क्षेत्र उसके क्षेत्र में आता है, जबकि असम 1933 के नक्शे को अपनी संवैधानिक सीमा मानता है। नतीजतन, रिजर्व फॉरेस्ट के भीतर कुछ क्षेत्र अब असम के अंतर्गत आते हैं, और 1933 के सीमांकन के कुछ हिस्से मिजोरम की तरफ हैं। जुलाई 2021 में संघर्ष तब बढ़ गया जब दोनों राज्यों के पुलिस बलों के बीच सीमा पर गोलीबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप असम के छह पुलिसकर्मियों और एक नागरिक की मौत हो गई, साथ ही 60 से अधिक लोग घायल हो गए। अगस्त 2021 से अब तक तीन मंत्रिस्तरीय बैठकों सहित कई दौर की वार्ता हो चुकी है, जिसमें सीमा पर शांति बनाए रखने और बातचीत के जरिए विवाद को सुलझाने पर सहमति बनी है। नवंबर 2022 में गुवाहाटी में हुई सबसे हालिया वार्ता में, मिजोरम को अपने दावे का समर्थन करने के लिए तीन महीने के भीतर गांवों, क्षेत्रों, भू-स्थानिक सीमा और जातीयता के बारे में विवरण प्रदान करने का काम सौंपा गया था। मिजोरम ने विवादित क्षेत्र में 62 गांवों की पहचान करते हुए जानकारी प्रस्तुत की है जो उसके क्षेत्र में या आंतरिक रेखा आरक्षित वन की सीमा के भीतर हैं।

हिंदुओं को निशाना न ...

उनके खिलाफ लक्षित हिंसा को रोकने की आवश्यकता पर जोर देती है। उन्होंने मानवाधिकारों की रक्षा में कानूनी पेशे की भूमिका पर जोर दिया और पड़ोसी देश में हिंदुओं के खिलाफ कथित हिंसा पर चिंता व्यक्त की, बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से उत्पीड़न से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने हाल की उन रिपोर्टों का भी जिक्र किया जिसमें भारत से पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना और उनकी बहन शेख रेहाना को गिरफ्तार करने का आग्रह किया गया था। उन्होंने बताया कि 28 जनवरी, 2013 को हस्ताक्षरित और 23 अक्तूबर, 2013 को अनुसमर्थित *प्रत्यर्पण से संबंधित भारत और बांग्लादेश के बीच संधि* के तहत, प्रत्यर्पण के लिए आवश्यक है कि व्यक्तियों पर प्रत्यर्पणीय अपराध का आरोप लगाया जाए या उन्हें दोषी पाया जाए। आदिश अग्रवाल ने भारत और बांग्लादेश के कानूनी समुदायों के बीच मजबूत सहयोगात्मक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय बार के प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने में अपनी भूमिका पर भी प्रकाश डाला और विभिन्न अवसरों पर बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से मिली मान्यता के लिए सराहना व्यक्त की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने उल्लेख किया कि बांग्लादेश के कई पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने लंदन और नई दिल्ली में भारतीय कानूनी समुदाय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है।

बांग्लादेशियों ने भारतीय ...

थाने के एसपी जेबी थॉमस पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और हालत का जायजा लेने के साथ साथ अधिकारियो ने बीजीबी के सहयोग से सभी नागरिकों को वापस उनके गांव भेज दिया है। सीमा सुरक्षा बल द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि नॉर्थ बंगाल फ्रंटियर के अधीनस्थ दो बीओपी पर घुसपैठ की कोशिश की गई। जहां अधिकारियो और जवानों द्वारा समझा बुझाकर सभी को वापस भेज दिया गया है। बीएसएफ द्वारा बताया गया की स्थिति को देखते हुए सभी बीओपी पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है और आपात स्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे सख्त निगरानी का निर्देश दिया गया है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है की बीएसएफ उत्तर बंगाल फ्रंटियर सीमा सुरक्षा बनाए रखने और क्षेत्र में सभी व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सेनाएं स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और किसी भी घटनाक्रम का जवाब देने के लिए तैयार हैं।

ईसी की टीम ...

सरकार का इंतजार कर रहे हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के प्रतिनिधिमंडल ने भी भारत के चुनाव आयोग से मुलाकात की और उन्हें निर्वाचित सरकार की अनुपस्थिति में जमीनी स्तर पर लोगों के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत कराया। पीडीपी की वरिष्ठ महिला नेता आसिया नकाश ने कहा कि हमने चुनाव आयोग के समक्ष अपनी मांग रखी। हमने उन्हें बिना किसी देरी के विधानसभा चुनाव कराने के लिए राजी किया। पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता आरएस पठानिया ने कहा कि हमारी उम्मीद है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होने चाहिए और सबसे अधिक मतदान होगा, ताकि जम्मू और कश्मीर के लोग अपनी चुनी हुई सरकार बना सकें। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि चुनाव की तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी और जम्मू और कश्मीर के लोगों को अपना भविष्य तय करने का मौका दिया जाएगा। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी ने कहा कि हमारी पार्टी ने हमेशा क्षेत्र में जल्द विधानसभा चुनाव की वकालत की है और इसके लिए भाजपा पूरी तरह से तैयार है। हम चाहते हैं कि विधानसभा चुनाव जल्द से जल्द हों। भाजपा चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, सुरक्षा और चुनाव के चरणबद्ध तरीके से होने को लेकर हमारी कुछ चिंताएं हैं। भारतीय चुनाव आयोग की यह टीम राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात में विधानसभा चुनाव के संचालन के बारे में जानकारी हासिल करने के बाद पुलिस और नागरिक प्रशासन तथा अन्य हितधारकों के साथ भी चर्चा करेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव ...

हो गया। खबर मिलते ही सुचेतन वहां पहुंच गए। सूत्रों के अनुसार, बुधवार रात को बुद्धदेव की सांस की समस्या गंभीर हो गई थी, लेकिन रात को स्थिति संभाल ली गई थी। गुरुवार को दोपहर 11 बजे वुडलैंड्स के डॉक्टरों द्वारा उनकी जांच करने की योजना थी। जरूरत पड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने का निर्णय लिया गया था क्योंकि उन्हें अस्पताल जाने में अनिच्छा थी। इस बीच गुरुवार सुबह उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। नाश्ते के बाद उन्हें फिर से सांस लेने में कठिनाई हुई और निबुलाईजर देने की कोशिश की गई, लेकिन उसी समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा। डॉक्टरों को तुरंत बुलाया गया और उन्होंने बुद्धदेव को मृत घोषित कर दिया। बुद्धदेव को श्रद्धांजलि देने के संबंध में सीपीएम राज्य नेतृत्व चर्चा करेगा। बुद्धदेव माकपा के पॉलित ब्यूरो के सदस्य थे, इसलिए दिल्ली के नेताओं की भी उनकी अंतिम यात्रा में भूमिका रहेगी। फिलहाल उनका शव पाम एवेन्यू के दो कमरों वाले फ्लैट में रखा गया है। पिछले साल नौ अगस्त को बुद्धदेव अस्पताल से घर लौटे थे। 29 जुलाई को गंभीर हालत में उन्हें दक्षिण कोलकाता के अलीपुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ दिनों तक उन्हें वेंटिलेशन सपोर्ट पर रखा गया था। उन्हें निमोनिया हो गया था और फेफड़ों और श्वासनली में गंभीर संक्रमण पाया गया था। अस्पताल में पहले कुछ दिन वे बेहोशी की हालत में थे, लेकिन धीरे-धीरे उन पर इलाज का अच्छा असर होना शुरू हुआ था। 12 दिनों बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी और घर लौटने पर भी उन्हें कड़ी निगरानी में रखा गया था। बुद्धदेव लंबे समय से गंभीर सांस की समस्या (सीओपीडी) से पीड़ित थे। बीमारी के कारण वे पिछले कुछ वर्षों से लगभग घर पर ही रहते थे। इससे पहले भी कई बार उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। दिसंबर 2020 में गंभीर सांस की समस्या के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय भी उन्हें कुछ दिनों तक वेंटिलेशन पर रखना पड़ा था। वहां से सुरक्षित लौटने के बाद वे घर लौटे थे। मई 2021 में वे कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे। स्थिति बिगड़ने पर 18 मई को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसी समय उनकी पत्नी मीरा भट्टाचार्य भी कोविड से संक्रमित हुई थीं और उन्हें भी उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोनों कुछ दिनों में कोविड नेगेटिव होकर घर लौटे थे। मालूम हो कि 2022 में 25 जनवरी को बुद्धदेव पद्मभूषण सम्मान ठुकरा कर सुर्खियों में आए थे। केंद्र सरकार ने उनका नाम नामांकित किया था, लेकिन उन्होंने इस सम्मान को लेने से इनकार कर दिया था। बुद्धदेव का 11 साल का शासनकाल बंगाल की राजनीति में विभिन्न दृष्टिकोणों से विवादों से भरा रहा। उनकी औद्योगिकीकरण नीति को लेकर काफी राजनीतिक हलचल रही। औद्योगिकीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया ने ग्रामीण बंगाल के कई इलाकों में लोगों को सड़कों पर उतार दिया था जिसकी वजह से वाम मोर्चा को शासन से हाथ धोना पड़ा था। 2006 में 235 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी करने वाले मुख्यमंत्री को पांच साल बाद ही 2011 में करारी हार का सामना करना पड़ा और पश्चिम बंगाल में 34 साल के वाम शासन का अंत हो गया था। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनी थीं।

भारतीय हॉकी टीम...

में भी भारत ने हॉकी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हॉकी में ओलंपिक में भारत का ये 13वां मेडल है। 52 साल बाद भारतीय हॉकी टीम ने पहली बार लगातार दूसरा मेडल जीता है। इस ऐतिहासिक मुकाबले में भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे, ये कारनामा उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किया।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ...

उन्होंने भारत को गौरवान्वित किया है। इस टीम द्वारा दिखाई गई निरंतरता, कौशल, एकजुटता और जुझारूपन हमारे युवाओं को प्रेरित करेगा। भारतीय हॉकी टीम, बहुत बढ़िया। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई। विश्व मंच पर भारत को गौरवान्वित करने वाले सभी खिलाड़ियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। टीम को उनके भविष्य के सभी प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करता हूं।

ईरान ने एक ही ...

संगठित अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। उनका तर्क है कि इन कठोर सजाओं का उद्देश्य समाज को हिंसा और अपराध से बचाना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में ईरान में 853 लोगों को फांसी की सजा दी गई थी, उसके बाद सऊदी अरब में 172 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई। कहा ये भी जाता है कि चीन में सबसे ज्यादा मौत की सजा दी जाती है, लेकिन पुख्ता आंकड़े सामने नहीं आते हैं। ईरान में अभी और दी जाएगी लोगों को फांसी! ह्यूमन राइट्स इन ईरान संस्था ने चिंता जताई है कि आने वाले महीने में भी सैकड़ों लोगों को ईरानी सरकार फांसी दे सकती है, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का इस पर ध्यान नहीं है।

विहिप ने केंद्र से की ...

में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि हम केंद्र से बांग्लादेश में उन हिंदुओं की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाने का अनुरोध करते हैं, जिन पर अत्याचार किया जा रहा है और उनके घरों और पूजा स्थलों को तोड़ा जा रहा है। हम केंद्र से उन हिंदुओं की रक्षा करने की मांग करते हैं, जो पड़ोसी देश में आसान निशाना हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उस देश के शरणार्थियों की आड़ में जिहादी नापाक इरादे से हमारी सीमा में घुसपैठ न करें। विहिप और बजरंग दल का प्रत्येक कार्यकर्ता बांग्लादेश से लगी सीमाओं की रक्षा के लिए सेना और सीमा सुरक्षा बल के साथ खड़ा होने के लिए तैयार है। अगर केंद्र हमसे पूछता है तो हम संकटग्रस्त बांग्लादेश से लगी सीमा पर सुरक्षा बलों को सहायता देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि विभाजन के समय हिंदुओं की संख्या 32 प्रतिशत थी, जो जिहादियों के उत्पीड़न और दंगों के कारण बांग्लादेश में घटकर मात्र 8 प्रतिशत रह गई है। इधर, रिपोर्ट्स के अनुसार बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद देशभर में भड़की हिंसा की घटनाओं में कम से कम 232 लोग मारे गए हैं, जिससे मरने वालों की संख्या 560 हो गई है। इससे पहले बांग्लादेश में सरकारी नौकरी में कोटा को लेकर विरोध पहली बार जुलाई के मध्य में शुरू हुआ था। अपने शासन के खिलाफ छात्रों के कई हफ्तों के उग्र विरोध प्रदर्शन के बाद हसीना ने प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर भाग गईं। उन्होंने सोमवार को बांग्लादेश सैन्य विमान से दिल्ली के पास हिंडन एयर बेस के लिए उड़ान भरी।

बांग्लादेश : भारत ने ..

हुए है। इस बीच बांग्लादेश में भारतीय दूतावास ने तेजी से बदल रहे हालात के बीच बड़ा कदम उठाया है। भारत ने बांग्लादेश में एंबेसी का वीजा सेंटर अगले ऑर्डर तक बंद कर दिया। हिंसा को देखते हुए भारतीय दूतावास की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) ने घोषणा की है कि सभी केंद्र *अस्थिर स्थिति* के कारण अनिश्चित काल तक बंद रहेंगे, क्योंकि कई सप्ताह तक चले घातक विरोध प्रदर्शनों के परिणामस्वरूप पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटा दिया गया और अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जो आज होने की संभावना है। आईवीएसी बांग्लादेश के ऑनलाइन पोर्टल पर एक बयान में कहा गया है कि अस्थिर स्थिति के कारण सभी आईवीएसी अगली सूचना तक बंद रहेंगे। अगली आवेदन तिथि एसएमएस के माध्यम से सूचित की जाएगी और अनुरोध है कि पासपोर्ट अगले कार्य दिवस पर प्राप्त करें। भारत ने बांग्लादेश के भारतीय उच्चायोग और चटगांव, राजशाही, खुलना और सिलहट में वाणिज्य दूतावासों में अपनी राजनयिक उपस्थिति कम कर दी है और हिंसा प्रभावित देश से गैर-आवश्यक कर्मचारियों और उनके परिवारों को वापस बुला लिया है। हालांकि, भारतीय उच्चायोग अभी भी कार्यरत है और वरिष्ठ राजनयिक और आवश्यक कर्मचारी देश में बने हुए हैं।बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू में सरकारी नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली के खिलाफ थे, लेकिन हसीना की *रजाकार* टिप्पणी और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कठोर कार्रवाई के बाद जल्द ही यह आवामी लीग सरकार के खिलाफ व्यापक आंदोलन में बदल गया। बता दें कि, किसी भी देश के साथ बेहतर राजनयिक संबंध स्थापित करने में दूतावास की अहम भूमिका होती है। जानकारी के अनुसार एंबेसी दूसरे देशों में रहने वाले अपने नागरिकों की सहायता करती है। दुनिया के कम से कम 121 देशों में भारत के दूतावास हैं, इसके अलावा बड़ी संख्या में कई देशों में भारत ने अपने वाणिज्य दूतावास भी खोले हैं। इन्हीं दूतावासों के जरिए विदेश से भारत यात्रा करने के इच्छुक विदेशी नागरिकों को वीजा आदि जारी किया जाता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाए केंद्र सरकार : विहिप

कछार (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के दक्षिण पूर्व प्रांत के अध्यक्ष शांतनु नायेक ने कहा कि प ?ौसी देश बांग्लादेश इस समय हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद वहां अराजकतत्व हावी हो गए हैं। इस अराजकता की स्थिति में वहां के अतिवादी जिहादी तत्व हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न किया जा रहा है। विहिप के दक्षिण पूर्व प्रांत के अध्यक्ष नायेक गुरुवार को कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर में आयोजित एक संवाददता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर शांतनु नायेक ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिंदू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। पूरे बांग्लादेश में हर जिले में अराजकता की सूचना है। कट्टरपंथियों के निशाने से श्मशान तक नहीं बचे हैं। मंदिरों को भी भारी क्षति पहुंचाई गई है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो, जो इनकी हिंसा एवं आतंक का निशाना न बना हो। समय-समय पर निरंतर अंतराल पर होने

वाले ऐसे दंगों का ही परिणाम है कि बांग्लादेश में हिंदू, जो विभाजन के समय 32 प्रतिशत थे, अब 8 प्रतिशत से भी कम बचे हैं और वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हैं। विहिप के दक्षिण पूर्व प्रांत के अध्यक्ष ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यवसायिक प्रतिष्ठान एवं महिलाएं, बच्चे तथा उनकी आस्था एवं विश्वास के केंद्र मंदिर तक सुरक्षित नहीं हैं। वहां पीड़ित अल्पसंख्यक हिन्दुओं की हालत बद से भी बदतर होती जा रही है। यह स्थिति अत्यंत चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा एवं उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। नायेक ने कहा कि निश्चय ही भारत इस परिस्थिति में आंखें मूंद कर नहीं रह सकता। भारत ने परंपरा से ही विश्वभर के उत्पीड़ित विस्थापितों की सहायता की है। विश्व हिंदू परिषद ने भारत सरकार से यह आग्रह किया है कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। विहिप अध्यक्ष ने कहा कि हमारी कामना है कि बांग्लादेश में शीघ्रातिशीघ्र लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सरकार पुनः स्थापित हो। वहां के अल्पसंख्यक समाज को मानवाधिकार मिले और बांग्लादेश की निरंतर हो रही आर्थिक प्रगति में कोई बाधा न आये। भारत का हिंदू समाज और सरकार इस विषय में निरंतर बांग्लादेश के सहयोगी बने रहेंगे।

नदी में नहाने के दौरान हाथी के हमले में युवती की मौत

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले में जंगली हाथी के हमले में एक युवती की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि नदी में स्नान करने के दौरान युवती पर एक जंगली हाथी ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार आज सुबह बाक्सा जिले में भारत-भूटान सीमा पर सुवनखाटा सुंदरीपारा की गीतिका तालुकदार नामक युवती बगल के पगलादिया नदी में स्नान कर रही थी। उसी समय भोजन की तलाश में पहाड़ी से नीचे उतर रहे एक हाथी ने स्नान कर रही युवती पर हमला कर दिया। इसी बीच युवती के परिजन हाथी के चिग्घाड़ने की आवाज सुनकर वहां पहुंचे। हाथी के हमले से पगलादिया नदी में गिरी युवती को वहां से निकालकर सुबनखाटा राजकीय चिकित्सालय लाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती के शव को मुसलपुर के डॉ. रवि बोड़ो सिविल अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वन विभाग के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर मृतक के परिजनों से इस बारे में जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि बाक्सा के भारत-भूटान सीमा क्षेत्र में जंगली हाथियों ने लगातार आतंक मचा रखा है।

गुवाहाटी : कुत्ते के हमले में सेवानिवृत्त शिक्षक की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में एक दुखद घटना सामने आयी है। घर के पालतू कुत्ते द्वारा किए गए हमले में सेवानिवृत्त एक शिक्षक की मौत का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण बेलतला हाई स्कूल के सेवानिवृत्त शिक्षक चंद्र प्रसाद शर्मा को पालतू कुत्ते द्वारा काटे जाने के कारण उनकी मृत्यु हो गई। घर का पालतू कुत्ता पिछले मंगलवार को चंद्र प्रसाद शर्मा के ऊपर जानलेवा हमला किया था। घटना के समय शर्मा अपने बरामदे और सड़क के किनारे भीषण बाढ़ के कारण मलबे को साफ कर रहे थे। परिजनों ने आज बताया है कि गंभीर रूप से घायल शर्मा को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। खगेन बर्मन के घर में रहने वाले किरायेदार तरणी दास के कुत्ते को जंजीर से मुक्त कर दिया गया था, जिसके चलते कुत्ता ने शर्मा पर हमला कर दिया। शर्मा के बेटे और बहनोई सहित उनके परिवार के हस्तक्षेप के बावजूद, कुत्ता और आक्रामक हो गया। उसने शर्मा की भतीजी पर भी हमला किया। शर्मा, जिन्हें पहले से ही मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे।

एक *पेड़ मां के नाम* के अंतर्गत पौधरोपण अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर, असम और इसकी सभी समवाय ने अमृत वृक्ष आंदोलन-2024 के तहत घागुआ मणिपुर समाबाई समिति लिमिटेड मोरीगांव, चांदकुची पब्लिक हाई स्कूल, नलबाड़ी और वाहिनी मुख्यालय सोनापुर के परिसर में *एक पेड़ मां के नाम* के तत्वावधान में पौधरोपण का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य नागरिकों को उनके मां के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अभियान के तहत, शिक्षण स्टाफ और स्थानीय ग्रामीणों के साथ स्कूली छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया और कुल 340 पौधे लगाए गए।

लखीपुर : पुलिस फायरिंग में डकैत घायल

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा के लखीपुर में पुलिस की गोलीबारी में एक डकैत घायल हो गया। डकैतों ने 31 जुलाई की रात एक कार को लूट लिया था। लखीपुर पुलिस ने लूट के मामले में दो डकैतों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लुटेरों में लखीपुर के निदानपुर का जाहिदुल अख्तर चौधरी और नूर आलम शामिल है। लुटेरों के गिरोह ने चालक को खंजर से मारकर महिलाओं द्वारा पहने गए गहने, 10 हजार रुपए नकद और मोबाइल फोन लूट लिए थे। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गिरफ्तार लुटेरों से मोबाइल फोन को बरामद करने के लिए पुलिस द्वारा उन्हें बरदल नामक स्थान पर ले जाया गया। इसी बीच नूर आलम मौके से भागने की कोशिश की।

सड़क पर दौड़ रही इलेक्ट्रिक बस में लगी आग

गुवाहाटी (हिंस)। असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) की वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें गुवाहाटी शहर में चल रही हैं। अत्यधिक गर्मी में यात्री वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों का उपयोग करना पसंद करते हैं। गुरुवार की दोपहर गुवाहाटी के माछखोवा से ग्वालपाड़ा की ओर जा रही एएसटीसी की वातानुकूलित बस (एएस-20-2287) में अचानक धुआं निकला और यात्रियों में दहशत फैल गई। धुंआ निकलते देख ड्राइवर ने तुरंत बस को आदाबारी स्थित शराईघाट पेट्रोल पंप के सामने रोक दिया। बस में बैठे यात्रियों ने नीचे उतरकर अपनी जान बचाई। बस चालक ने बस में लगे अग्निशामक यंत्र से आग बुझाने का प्रयास किया, इसी बीच शराईघाट पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने अग्निशामक यंत्र से आग पर काबू पा लिया। बस के ड्राइवर ने बताया कि यह हादसा शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ है। खबर मिलने के बाद जालुकबारी ट्रैफिक पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इस हादसे के कारण कुछ देर के लिए इलाके में भारी जाम लग गया। हालांकि, बाद में स्थिति सामान्य हो गई। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

ग्वालपाड़ा में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा में ड्रग्स के खिलाफ पुलिस के अभियान में एक ड्रग्स तस्कर पकड़ा गया है। पुलिस ने आज बताया कि ग्वालपाड़ा नगर थाना प्रभारी बिप्रश्री राय ने ग्वालपाड़ा कस्बे के बर बाजार स्थित जयगुरु होटल के सामने मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान चलाया। इस अभियान में गिरफ्तार व्यक्ति के पास से 20 हेरोइन से भरा कंटेनर पकड़ा गया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए ड्रग्स तस्कर की पहचान ग्वालपाड़ा शहर के मायलापथार जबरापट्टी के जाहिदुल इस्लाम के रूप में हुई है।

रंगिया में चल रहा कांग्रेस सदस्यता भर्ति अभियान

रंगिया (निसं)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता के निर्वाचन क्षेत्र रंगिया में कांग्रेस का व्यापक सदस्यता भर्ति कार्यक्रम चल रहा है। उक्त अभियान असम प्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा और कामरूप जिला युवा कांग्रेस के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न दलों और संगठनों के 200 से अधिक कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हुए। भाजपा युवा मोर्चा, कृषक मुक्ति, अगप, आसू सहित पार्टी संगठनों के कार्यकर्ता युवा कांग्रेस में शामिल हो गए। विधायक जाकिर हुसैन सिकद्दर, छयगांव निर्वाचन क्षेत्र के विधायक रेकीबुद्दीन अहमद, जिला कांग्रेस अध्यक्ष कंकन दास, युवा नेता प्रानजीत चौधरी, प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष जुबेर आलम और कई अन्य नेता और

कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित थे। यह ज्वाइनिंग कार्यक्रम रंगिया के राजीव भवन में आयोजित किया गया। राज्य युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जुवेर आलम ने गुवाहाटी में बाढ़ पर मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। मुख्यमंत्री मुद्दे बनाने की बात करते हैं। अगर मेघालय की मिट्टी काटकर लाने के कारण ऐसा है तो मिट्टी कहां गई? गुवाहाटी में ही आयी है। क्या मुख्यमंत्री को नहीं पता था कि रातभर में डंपर चलते है? अगर उन्हे पता नहीं चलता है तो उनकी इनटेल बहुत खराब है कि टिप्पणी की।

सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत, दो घायल

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के कलगछिया के बालागांव में आज सुबह हुए एक सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। इस दौरान दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने बताया कि यह हादसा आज तड़के उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार माल ढुलाई करने वाले मैजिक ने *मॉर्निंग वॉक* पर निकली चार महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया। मृतकों की पहचान हमीदा चौधरी (35) और दिलवाड़ा खातून (60) के रूप में हुई है। हादसे में रमेला खातून (35) और जैगोन नेसा (55) नामक महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों घायलों को गंभीर हालत में कलगछिया से ले जाकर बरपेटा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मैजिक को कब्जे में लेकर उसके चालक जाहिदुल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया।

कैंसर अस्पताल में चेतना लेडीज क्लब ने लगाई शीतल पेयजल मशीन

गुवाहाटी। समाज सेवा के साथ-साथ मानव सेवा के कार्य में अग्रणी भूमिका निभाते आ रही चेतना लेडीज क्लब की ओर से बी बरुवा कैंसर अस्पताल में आज शीतल पेयजल मशीन लगाई गई। क्लब की अध्यक्ष आशा अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल के बी ब्लॉक के जीरोनी घर परिसर में इस मशीन का अनावरण दानदाता श्रीमती दुर्गा देवी राठी ने किया। इस मौके पर क्लब की ओर से दानदाता परिवार का स्वागत किया गया, जिन्होंने अस्पताल में चिकित्साधीन रोगियों तथा उनके परिजनों सहित नर्सिंग स्टाफ की सुविधा हेतु शीतल पेयजल मशीन प्रदान की। इस मौके पर अस्पताल की ओर से क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्लब की सदस्याएं मौजूद थीं।

टियक नदी से युवक का शव बरामद

जोरहाट (हिंस)। टियक नदी से आज एक युवक का शव बरामद किया गया। एनडीआरएफ की टीम ने अभियान चलाकर युवक का शव बरामद किया। मृतक की पहचान तेलिया गांव के अरविंद बेतियाल के रूप में हुई है। वह बीते 5 अगस्त से लापता था। पुलिस ने आज बताया कि मृतक अरविंद गच 5 अगस्त को ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकला था। उसके बाद से लापता था। सीसीटीवी कैमरे में मृतक सर्किल अधिकारी कार्यालय के पीछे से जाते हुए देखा गया था। लेकिन, वापसी का कोई सबूत नहीं था। आशंका जताई जा रही थी कि अरविंद, अंचल अधिकारी कार्यालय के पास नदी में गिरने के बाद डूब गया होगा। इसी बीच पुलिस को लापता युवक के बारे में सूचना दी गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। बुधवार को युवक की तलाश में युवकों के एक समूह ने नदी किनारे अभियान चलाया।

धिंग से बांग्लादेशी नागरिक सहित चार पशु तस्कर गिरफ्तार

नगांव (निसं)। जिला अंतर्गत धिंग बाजार से बुधवार को पुलिस ने एक बांग्लादेशी नागरिक के अतिरिक्त तीन ओर पशु तस्कर को गिरफ्तार किया है। उक्त चारो तस्कर गाय खरीदने धिंग बाजार में आए थे। पुलिस सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार उक्त चारो तस्कर के पास से नौ गायो को भी छुड़वाया गया है। बांग्लादेशी नागरिक का नाम हुमायु कबीर (32) बताया गया है। बांग्लादेशी नागरिक दाऊकी के रास्ते भारत में आया था और बुधवार

को सुबह नगांव पहुंचा था। गैर कानूनी तरीके से असम में आने वाले हमांयु कबीर के पास से पुलिस ने एक मोबाइल फोन और दो बांग्लादेशी सीम बरामद की है। जिन तीन अन्य तस्करो को पकडा गया वे नगांव जिला अंतर्गत खाटुवाल थान क्षेत्र के रहने वाले मोतिबुर रहमान (32) ,अब्दुल हुसैन (53) व मकबूल हुसैन (24) बताए गए है। एक बांग्लादेशी और तीन अन्य पशु तस्करो को गिरफ्तार कर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने रंगिया कॉलेज में *मिलियन मोइना* योजना का किया शुभारंभ

रंगिया (निसं)। मुख्यमंत्री द्वारा गुरुवार को राज्य भर में मिलियन मोइना योजना का उद्घाटन किया गया। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पूरे असम में कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर वर्चुअली मुख्यमंत्री मिलियन मोइना योजना शुरू की। रंगिया महाविद्यालय में आयोजित उक्त योजना के उदघाटन समारोह में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने महाविद्यालय की एक हजार छात्राओ के बीच प्र पत्र वितरित किया। *मुख्यमंत्री मिलियन मोइना* योजना लड़कियों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने और बाल विवाह जैसी रूढ़िवादिता को

रोककर एक सुरक्षित भविष्य प्रदान करने की असम सरकार की एक अनूठी पहल है। सरकार का मानना है कि मुख्यमंत्री मिलियन मोइना योजना राज्य में छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए आकर्षित करेगी और माता-पिता पर वित्तीय बोझ कम करेगी। इस योजना से बाल विवाह को रोकने और लड़कियों को सशक्त बनाने में भी विशेष भूमिका निभाने की उम्मीद है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भावेश कलिता ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा द्वारा राज्य में छात्राओं को सशक्त बनाने और राहत देने के लिए की गई पहल और निर्णय की सराहना की। कलिता ने समारोह के अंत में संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय समिति राज्यसभा की उम्मीदवारी पर अंतिम निर्णय लेगी। कल चुनाव की घोषणा होने के बाद से अभी तक कोई चर्चा नहीं होने की बात कही।

होजाई में हुआ वॉकिंग जॉन का शुभारंभ

होजाई (निसं)। होजाई के नागरिकों के स्वास्थ्य व सुविधा के लिए होजाई में हुआ वॉकिंग जॉन का शुभारंभ। होजाई के कॉलेज रोड (रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रोड) को आज सुबह 4 बजे से लेकर सुबह 7 बजे तक वॉकिंग जॉन में किया गया परिवर्तित। उक्त वॉकिंग जॉन का शुभारंभ होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष ने किया। इस दौरान होजाई पौर सभा कार्यकारी मजिस्ट्रेट असीम ज्योति कलिता,अध्यक्षा चतुर्थी रानी विश्वास सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक समिति के अनुरोध पर जिला आयुक्त लचित कुमार दास ने होजाई पौर सभा इलाके के रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (कॉलेज रोड) के क्लॉक टावर से लेकर एनएसबीसी जंक्शन प्वाइंट तक 8 अगस्त यानी कि आज से सुबह 4:00 बजे से लेकर सुबह 7 बजे तक वॉकिंग जॉन के हिसाब से इस इलाके को घोषित किया। जिसमें किसी भी तरह के वाहन के यातायात पर इस अवधि के दौरान रोक रहेगी। आज सुबह हमारे संवाददाता से बात करते हुए जिला वरिष्ठ नागरिक संस्था के सचिव अनूप कुमार बरठाकुर ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के सुबह-सुबह टहलने हेतु होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक समिति ने बीते अगस्त की 2 तारीख को जिला आयुक्त से मिलकर। उनसे अनुरोध किया

था कि होजाई में एक वॉकिंग जॉन दिया जाए जिससे सुबह-सुबह खास तौर पर वरिष्ठ नागरिकों को टहलने की सुविधा मिल सके। इसके साथ-साथ युवा पीढ़ी भी इसका फायदा उठा सके। इसी के मद्देनजर जिला आयुक्त ने धारा 163 के तहत निर्देश दिया कि होजाई के रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय रोड (होजाई कॉलेज रोड) से एनएसबीसी जंक्शन प्वाइंट तक को अगस्त 8 तारीख से सुबह 4 से लेकर 7 बजे तक वॉकिंग जॉन के हिसाब से घोषित किया जाए। उन्होंने आज होजाई जिला आयुक्त लचित कुमार दास व पौर सभा सहित प्रशासन को धन्यवाद दिया व होजाई वासीयो से व खास तौर पर वरिष्ठ नागरिकों से इस वॉकिंग जॉन का भरपूर लाभ उठाने का आह्वान किया। आज रिमझिम बारिश के बावजूद लोग टहलने निकले और आज से होजाई में एक वॉकिंग जॉन का शुभारंभ हो गया है इस फैसले से होजाई वासी काफी प्रसन्न है, उन्होंने जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। वही बाहन को रोकने हेतु पुलिस प्रशासन का एक दल भी इलाके में तैनात था।

No. TECH 22/SE(B)/NIT/2021-22/PT-I/70, *Dtd. Kokrajhar, the 8th Aug/2024.*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders affixing a non-refundable court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees eight & paise twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors of A.P.W.D./BTC Class-I(A,B&C), Class-II & Class-III (Building) category according to their eligibility for submitting tenders for the following works. The tenders will be received by the undersigned up to **1.00 P.M. on 27.08.2024** and will be opened on the same date & place at 1.30 P.M. onwards.

Sl. No	Name of Work	Estimated Amt. (Approx)	Category of contractor	Tender Processing fee	Time of Completion
1	Construction of Erosion Protection with RCC wall of CHD Office (Economics & Stastistics Department), Kokrajhar.	Rs.19,98,992.00	Class-I, II&III	Rs.1000.00	06 (six) months.
2	Construction of Conference Hall at Deputy Director Office (Economics & Stastistics Department), Chirang, Kajalgaon.	Rs.14,99,998.00	Class-I, II&III	Rs.1000.00	06 (six) months.
3	Construction of Swimming Pool Platform and Steps for Bijni College at Bijni, Dist: Chirang, Assam.	Rs.10,19,450.00	Class-I, II&III	Rs.1000.00	03 (three) months.

Detailed N.I.T may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractor or their authorised agent upto 12-00 Noon **from 09.08.2024 to 22.08.2024** on payment in the form of Bank Draft/ Banker's Cheque (Under SB1 only) duly pledged to **the Principal Secretary, Bodoland Territorial Council, Kokrajhar, payable at Kokrajhar**

Sd/- Superintending Engineer, PWD
Kokrajhar Building Circle, Kokrajhar.

IPR(BTC)/C/2024-25/253

संपादकीय

भारत विरोधी बांग्लादेश

बांग्लादेश के साफ संकेत हैं कि अब वहां कट्टरपंथियों और भारत-विरोधी ताकतों का वर्चस्व होगा। आतंकवाद का खतरा बढ़ेगा। बांग्लादेश में भी तालिबान सक्रिय होंगे। वहां के प्रधानमंत्री आवास को आम जनता के लिए इस कदर खोल रखा गया है मानो कोई मेला लगा हो! कुछ युवा चेहरों की अश्लील, असभ्य, विद्रूप मानसिकता सार्वजनिक हुई है, जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ब्रा और अंतर्वस्त्र सरेआम लहराए हैं। ऐसे युवा कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनकारी छात्र नहीं हो सकते। वे बेशर्म जमात भी हो सकते हैं, लेकिन अपने ही मुल्क का अपमान कर रहे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी दोनों ही कट्टरवादी दल हैं और पाकपरस्त भी हैं। अंतरिम सरकार बनने से पहले ही दोनों दलों के करीब 9000 कार्यकर्ताओं को जेलों से रिहा कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और उनके पुत्र तारिक रहमान की सरपरस्ती में इन दलों ने आम जनसभा को संबोधित भी किया है। तारिक हत्या के तीन मामलों में उम्रकैद के सजायाफ्ता हैं, लेकिन वह लंदन में स्वनिर्वासन में थे। अभी ढाका लौट कर आए हैं, तो अदालतें फिलहाल खामोश और निष्क्रिय हैं।

> आतंकवाद का खतरा बढ़ेगा। बांग्लादेश में भी तालिबान सक्रिय होंगे। वहां के प्रधानमंत्री आवास को आम जनता के लिए इस कदर खोल रखा गया है मानो कोई मेला लगा हो! कुछ युवा चेहरों की अश्लील, असभ्य, विद्रूप मानसिकता सार्वजनिक हुई है, जब उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ब्रा और अंतर्वस्त्र सरेआम लहराए हैं। ऐसे युवा कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनकारी छात्र नहीं हो सकते। वे बेशर्म जमात भी हो सकते हैं, लेकिन अपने ही मुल्क का अपमान कर रहे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी दोनों ही कट्टरवादी दल हैं और पाकपरस्त भी हैं। अंतरिम सरकार बनने से पहले ही दोनों दलों के करीब 9000 कार्यकर्ताओं को जेलों से रिहा कर दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और उनके पुत्र तारिक रहमान की सरपरस्ती में इन दलों ने आम जनसभा को संबोधित भी किया है। तारिक हत्या के तीन मामलों में उम्रकैद के सजायाफ्ता हैं, लेकिन वह लंदन में स्वनिर्वासन में थे। अभी ढाका लौट कर आए हैं, तो अदालतें फिलहाल खामोश और निष्क्रिय हैं।

प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार में मंत्री रहे 10 और अन्य बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल बीएनपी और जमात के साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने 'सौदेबाजी' की है कि शेख मुजीब की सियासी विरासत की प्रतीक 'अवामी लीग' पार्टी का नामोनिशां ही मिटा दिया जाए, ताकि 1971 की बगावत की मुकम्मल सजा दी जा सके। हसीना के बांग्लादेश छोड़ कर चले जाने के साथ ही शेख मुजीब की सियासी विरासत तो समाप्त हो गई। पाकिस्तानी फौज गदगद है और लड्डू खा रही है। ऐसी सूचनाएं भी हैं कि आईएसआई लंदन में तारिक रहमान और जमात के नेतृत्व के साथ 2018 से ही 'तख्तापलट' की साजिश रच रही थी, लेकिन अभी तक नाकाम रही थी। मौजूदा आंदोलन का आवरण छात्रों का था, लेकिन उनकी आड़ में जमात और बीएनपी के कार्यकर्ताओं ने ही आंदोलन को 'तख्तापलट' का रूप दिया था। जमात का छात्र संगठन ही आंदोलन और बगावत के पीछे सक्रिय था। बेशक शेख हसीना को मुल्क छोड़े तीन दिन गुजर चुके हैं, लेकिन बांग्लादेश के हालात अब भी सामान्य नहीं हुए हैं। करीब 125 लोग बीते एक दिन में मारे गए हैं। कुल मौतों की संख्या 450 से अधिक हो गई है। चूंकि प्रधानमंत्री के तौर पर हसीना भारत-समर्थक थीं। दोनों देशों ने कई साझा परियोजनाएं शुरू कीं और पुराने विवादों को भी खत्म किया। अब अंतरिम सरकार के दौर में कट्टरपंथी और भारत-विरोधी ताकतें ऐलानिया कह रही हैं कि उन परियोजनाओं की जांच और समीक्षा की जाएगी। बांग्लादेश के एक तबके का भारत-विरोध इनसे स्पष्ट होता है कि बीते तीन दिनों में ही 30 हिंदू मंदिर तोड़ दिए गए। उनमें आस्था की देव-मूर्तियों को भी खंडित कर ध्वस्त किया गया। मंदिरों में आग लगा दी गई। हिंदुओं के 300 से अधिक घर और उनकी दुकानें भी तोड़ी गईं और आगजनी भी की गई। बीते कुछ सालों के दौरान करीब 3600 हिंदू मंदिरों को तोड़ा जा चुका है और उन्हें आग के हवाले किया जाता रहा है। क्या बांग्लादेश हिंदू-विरोधी भी हो रहा है? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी अब मात्र 7.9 फीसदी है, जबकि 1971 में देश-निर्माण के वक्त यह आबादी करीब 23 फीसदी थी। बेशक हिंदू घोर अल्पसंख्यक हैं। क्या मोदी सरकार प्रभावी हस्तक्षेप करेगी? बीएनपी की सरकार पहले भी बांग्लादेश में रही है। जमात भी भारत का विरोध करती रही है। जमात तो 1971 में भी पाकिस्तानपरस्त था और बांग्लादेश बनाने के अभियान के खिलाफ था। यह भी हकीकत है कि बांग्लादेश कई मामलों में भारत के भरोसे रहा है। हकीकत यह भी है कि अब बांग्लादेश में करीब 80 फीसदी सैन्य हथियार चीन से आते हैं। क्या नई सरकार चीन के साथ अपने संबंध मजबूत करेगी और भारत का खुलेआम विरोध करेगी? भारत के लिए घुसपैठ और शरणार्थियों का आना भी बेहद गंभीर चुनौती है।

भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

> बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है।

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।

हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है।

दृष्टि कोण

बांग्लादेश के हालात से बहुत संतर्क रहना होगा

बांग्लादेश में महीनों से सुलग रही आरक्षण और सरकार विरोधी चिंगारी सोमवार को भीषण आग के रूप में फूटी। 300 लोगों की मौत के बाद सेना भी उग्र भीड़ को संभाल नहीं पाई। नतीजतन करीब डेढ़ दशक से बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज प्रधानमंत्री शेख हसीना को जान बचाकर देश से भागना पड़ा है। शेख हसीना भागकर फिलहाल भारत आई हैं। सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना लंदन जाने की तैयारी कर रही हैं। शेख हसीना ने इंग्लैंड की सरकार से शरण मांगी है। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन जारी है। अब प्रदर्शनकारियों ने देश के चीफ ऑफ जस्टिस के घर में घुसकर तोड़-फोड़ की है। प्रदर्शनकारियों ने घर में मौजूद कार, फर्नीचर के साथ घर का सारा समान लूट ले गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को ढाका में इंडिया कल्चर सेंटर पर हमला बोला। साथ ही काली व इस्कॉन समेत देशभर में कम से कम चार मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक डरे और सहमें हैं। वहां क्या हालात बनेंगे? वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कैसे होगी, इस पर भारत को नजर रखनी होगी। ये भी देखना है कि सरकार कैसी बनता है? उसका भारत के प्रति नजरिया कैसा होगा? नई सरकार कहीं इस्लामिक कट्टरवाद को बढ़ावा तो नही देगी। उसका रूख पाकिस्तान और चीन संमर्थक तो नहीं होगा? भारत को अपने देश की सीमा को पूरी तरह बंद रखना होगा, ताकि वहां के हालात से डरे नागरिक अपने भारत में न आ सकें।

1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने की लड़ाई में शामिल क्रांतिकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में दिए जा रहे आरक्षण को खत्म करने की मांग के साथ पिछले महीने विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर पहले ही अंतरिम रोक लगा दी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रदर्शनकारी आखिर फिर से इतने हिंसक होकर सड़कों पर क्यों उतर आए। असल में हिंसा की यह नई लहर तब शुरू हुई जब प्रदर्शनकारियों ने असहयोग का आह्वान किया। इसमें लोगों से कर या बिजली बिल का भुगतान न करने और रविवार को काम पर न आने का आग्रह किया गया। सोमवार को जब कार्यालय, बैंक और कारखाने खुले, तो प्रदर्शनकारियों ने लोगों को काम पर जाने से रोकना शुरू कर दिया। सेना ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए गोलियां चलानी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने एक दिन पहले लगाए गए कर्फ्यू की परवाह किए बिना ढाका में प्रधानमंत्री आवास पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने ढाका के शाहबाग इलाके में स्थित एक प्रमुख सार्वजनिक अस्पताल बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी पर हमला किया है। प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यालयों व वाहनों में भी आग लगा दी।

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण पर रोक के बावजूद प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफे पर अड़े रहे। 14 जुलाई को बतौर प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा था, स्वतंत्रता सेनानियों के पोते-पोतियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्या आरक्षण का लाभ रजाकारों के पोते-पोतियों को मिलेगा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस बयान के बाद, 'तुई के, अमी के रजाकार, रजाकार' के नारे लगाने शुरू कर दिए और हिंसा ज्यादा भड़क गई।

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा गठित रजाकार क्रूर अर्धसैनिक बल था। रजाकारों ने मुक्ति संग्राम में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों और आम लोगों के खिलाफ अत्याचार किया। आज भी यह शब्द वहां अपमानजनक माना जाता है। इसका इस्तेमाल देशद्रोहियों और अत्याचारियों के लिए किया जाता है।

बांग्लादेश में उथल-पुथल व तख्तापलट का इतिहास 1975 से शुरू होता है।हसीना के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर रहमान की उनके परिवार के ज्यादातर सदस्यों की हत्या कर दी गई। जनरल जियाउर रहमान ने सत्ता पर कब्जा किया। 1981 गेस्ट हाउस में घुसकर विद्रोहियों ने जियाउर रहमान की हत्या की। हालांकि, सेना का बड़ा तबका वफादार होने से तख्तापलट नाकाम रहा। 1982 रहमान के उत्तराधिकारी अब्दुस सत्तार को हुसैन मुहम्मद इरशाद के नेतृत्व में सत्ता से बेदखल कर दिया गया। इरशाद राष्ट्रपति बन गए। 2007 सेना प्रमुख ने एक कार्यवाहक सरकार का समर्थन किया, जो 2009 तक सत्ता पर काबिज रही। 2009 अर्धसैनिक बलों का विद्रोह.. में 70 लोगों की हत्या, इनमें से अधिकांश सैन्य अधिकारी थे।2012 सेना ने कहा, शरिया या इस्लामी कानून से प्रेरित तख्तापलट के प्रयास को विफल कर दिया है।

स्पष्टतौर पर बांग्लादेश में सुलग रही हिंसा के केंद्र में आरक्षण है। बांग्लादेश की जनसंख्या17 करोड़ है और देश में लगभग 3.2 करोड़ युवा बेरोजगार हैं।1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शामिल लोगों के वंशजों को मिल रहे आरक्षण को खत्म करने के लिए छात्र मांग कर रहे हैं। इसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में शामिल रहे लोगों के वंशजों को 30 फीसदी आरक्षण दिया जाता है। 10 फीसदी आरक्षण महिलाओं के लिए भी है।

कुछ अलग

नानक दुखिया सब संसार...

ये संसार दुखों का भंडार है, हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से परेशान है, दुखी है। अमीर है तो चिंतित है, गरीब है तो चिंतित है। राष्ट्रपति हो या चपरासी, सब परेशान हैं, सब दुखी हैं। हम हमेशा यही पढ़ते और सुनते आए हैं। बचपन से ही यही घुट्टी पिलाई जाती रही है हमें, इसलिए हमने मान लिया कि दुखी होना आम बात है, हर कोई दुखी है, तो अगर हमें भी कुछ दुख हैं, कुछ परेशानियां हैं तो क्या बड़ी बात है? हम एक अनंत दौड़ में शामिल हैं। सब कुछ इक_ा कर लेने की कोशिश में हम खुद को भुला बैठे हैं। हमारा परिवार, हमारी शिक्षा, हमारा समाज सब हमें जीवन भर भागदौड़ में लगे रहना सिखाते हैं। स्कूल, कालेज, शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय, प्रमोशन, पैसा आदि के चक्कर में हम घनचक्कर बने हुए हैं। हम बड़े होते हैं, काम करते हैं, शादी करते हैं, बच्चे पैदा करते हैं, बच्चे बड़े होते हैं, शादी करते हैं, और फिर हमारे बच्चे भी बच्चे पैदा करने में मशगूल हो जाते हैं। जीवन चक्र चलता रहता है। हम कोल्हू के बैल की तरह आंखें बंद करके एक ही दायरे में घूमते चले जाते हैं और अंततः राम नाम सत्य हो जाता है। हम कितने ही अमीर हो जाएं, कितने ही सुखी हो जाएं, कितने ही पुरस्कार पा लें, कितने ही सम्मान मिल जाएं, पर कुछ न कुछ कमी रह जाती है, खालीपन रह जाता है, और हम समझ नहीं पाते कि कमी कहां है। गरीब आदमी गरीबी के कारण तनावग्रस्त है, अमीर आदमी अमीरी चली जाने के डर से तनावग्रस्त है। यह एक जाना-माना तथ्य है कि आत्महत्या करने वाले लोगों में अमीरों की संख्या ज्यादा है। गरीब को तो फिर भी लालसा होती है कि ये कर लूं, वो कर लूं, ये पा लूं, वो पा लूं, क्योंकि उसके जीवन में तो कमियां ही कमियां हैं, अभाव ही अभाव हैं, उसकी लालसाएं बाकी हैं, पर अमीर आदमी की तो कठिनाई ही यह है कि पैसे के दम पर उसने सब देख लिया, सब पा लिया। न करने को कुछ बाकी रहा, न पाने को। जीवन में कोई उत्साह नहीं, कोई लक्ष्य नहीं, कोई आशा नहीं, सब कर लिया, सब देख लिया, सब पा लिया, अब बोरियत ही बोरियत है। जीवन में कोई रस नहीं। सारे सुखों के बावजूद जीवनसाथी से रिश्ते अच्छे नहीं, बच्चे कहना नहीं मानते, तो आदमी घुटता है, निराश होता है, पैसा बेमानी लगने लगता है, सुख बेमानी हो जाता है और आदमी निराश होकर, हताश होकर आत्महत्या की ओर कदम बढ़ा लेता है। अत्यधिक धनवान लोगों के बच्चों में नशे की आदत सिर्फ इसीलिए लग जाती है कि वो सुविधाएं भोग-भोगकर बोर हो चुके हैं। उनमें 'बीन देअर, डन दैट', यानी, 'वहां भी जा आए, वो भी कर लिया, अब बाकी ही क्या बचा' की भावना इतनी गहरी हो जाती है कि उन्हें कुछ और समझ ही नहीं आता। लेकिन क्या जीवन सिर्फ परेशानियों का घर ही है? जी नहीं। सच तो यह है कि इससे बड़ा झूठ और कोई हो ही नहीं सकता, पर हमारी नजर इतनी संकरी है कि हम कुछ और देख ही नहीं पाते। अपने ही पूर्वाग्रहों के कारण हम समझ ही नहीं पाते कि सुखी होना भी आसान है, और इसका सीधा सा कारण यह है कि हमने गुरु नानक देव जी के संदेश को समझने की कोशिश ही नहीं की। गुरु नानक देव जी सरीखे महान संत की बात झूठी नहीं हो सकती, लेकिन अगर हम उसे समझने की कोशिश ही न करें, तो गलती सरासर हमारी है। गुरु नानक देव जी अगर यह कहते हैं कि सारा संसार ही दुखिया है, हर ओर दुख ही दुख है, कठिनाई ही कठिनाई है, तो साथ ही यह भी कहकर कि 'सो सुखिया जिस नाम अधार', इन सब दुखों, परेशानियों और समस्याओं से छुटकारा पाने का हल भी बताते हैं। समस्या यही है कि हमने 'नानक दुखिया सब संसार' को तो रट लिया, लेकिन इसके हल, यानी, 'सो सुखिया जिस नाम अधार' को सिरे से ही भुला दिया। यही एक कमी रह गई जिसने जीवन अंधकारमय बना दिया, परेशानियों, समस्याओं और दुखों का भंडार दिया।

देश दुनीया से

कांवड़ यात्रा या तांडव यात्रा

> कांवड़, जिसे कावड़ भी कहते हैं, की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कांवरिया या कांवडिय़ा कहकर पुकारा जाता है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िए सुल्तानगंज, गंगोत्री, गौमुख और हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थानों से गंगा जल लाने के लिए जाते हैं और फिर इस जल को वे अपने गृह नगर के शिव मंदिर में चढ़ाते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम ने की थी।

इस वर्ष कांवड़ यात्रा 22 जुलाई 2024 से शुरू हो गई है और इसकी समाप्ति 19 अगस्त को होगी। हर साल सावन में भगवान शिव के लाखों भक्त कांवड़ यात्रा पर जाते हैं। कांवड़, जिसे कावड़ भी कहते हैं, की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को कांवरिया या कांवडिय़ा कहकर पुकारा जाता है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िए सुल्तानगंज, गंगोत्री, गौमुख और हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थानों से गंगा जल लाने के लिए जाते हैं और फिर इस जल को वे अपने गृह नगर के शिव मंदिर में चढ़ाते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत ऋषि जमदग्नि के पुत्र भगवान परशुराम ने की थी। कथा के अनुसार वे गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर निकले थे और सीधे उत्तर प्रदेश के पुरा पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक किया था। ऐसी भी किंवदंती है कि सबसे पहले यह यात्रा श्रवण कुमार ने की थी। जब उनके माता-पिता ने गंगा स्नान करने की इच्छा जताई तो वह उन्हें कांवड़ में बैठाकर यात्रा पर निकले थे। इसके बाद वे हरिद्वार पहुंचे और गंगा स्नान कराने के बाद जल अपने साथ लेकर आए थे। कांवड़ यात्रा एक महीने तक चलने वाला त्योहार है जिसमें कांवड़िए भगवा रंग के कपड़े पहनते हैं और चुने हुए तीर्थ स्थलों से पवित्र जल लेने के लिए नंगे पैर चलते हैं। आम तौर पर कांवड़ यात्रा चार तरीकों से सम्पूर्ण की जाती है। पहली डाक कांवड़, इसमें कांवडिये यात्रा की शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक बगैर रुके लगातार चलते रहते हैं और शिवधाम तक की यात्रा एक निश्चित समय में तय करते हैं। यह समय अमूमन 24 घंटे के आसपास होता है। इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं तक वर्जित होती हैं। दूसरी खड़ी कांवड़ यात्रा है जिसमें कुछ भक्त खड़ी कांवड़ लेकर चलते हैं। इस दौरान उनकी मदद के लिए कोई न कोई सहयोगी उनके साथ चलता है। जब वे आराम करते हैं तो सहयोगी अपने कंधे पर उनकी कांवड़ लेकर कांवड़ को चलने के अंदाज में हिलाते डुलाते रहते हैं। तीसरी दांडी कांवड़ यात्रा होती है। इसमें भक्तगण नदी तट से शिवधाम तक की यात्रा दंड देते हुए पूरी करते हैं। मतलब कांवड़ पथ की दूरी को अपने शरीर की लंबाई से लेट कर नापते हुए यात्रा पूरी करते हैं। चौथी कांवड़ यात्रा सामान्य होती है। इसमें अधिकांश कांवड़िए कांवड़ के साथ अथवा बिना कांवड़ के पैदल ही चलते हुए गंगाधाम से घर तक की दूरी पूरी करते हैं। कई लोग कुछ किलोमीटर से दो हजार किलोमीटर तक की कांवड़ यात्रा भी करते हैं। वर्तमान समय में कांवड़ यात्रा के तौर तरीकों में बदलाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया में कांवड़ यात्रा के जो वीडियो देखने को मिलते हैं, उनमें फूहड़ता, अश्लील आचरण और हुड़दंग मचाते अधिकतर ग्रामीण पृष्ठभूमि के निम्न मध्यमवर्गीय, सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि के कम पढ़े लिखे युवा दिखाई देते हैं जिनकी गतिविधियां शिक्षित एवं जागरूक लोगों में वितृष्णा का भाव भी पैदा करती हैं। इस पवित्र यात्रा में भाग लेने वाले लोगों के लिए सभी धर्मों के लोगों द्वारा की जाने वाली सुंदर व्यवस्थाएं भी चंद उद्दंड युवाओं के टोलों द्वारा की जाने वाली तोडफ़ोड़ और मारपीट के कारण धरी की धरी रह जाती हैं। कहीं कहीं लडक़े, युवा लड़कियों और कांवड़ यात्रियों के शरीर और पैरों पर जल डालकर उन्हें राहत देने का प्रयास करते दिख जाते हैं। इस कांवड़ यात्रा में कई अनोखे रंग-ढंग की कांवड़ भी देखने को मिलती हैं तो दस करोड़ रुपए वाली डीजे भी है, जेसीबी, स्कूटी/बाइक और तरह तरह की झांकीनुमा सुंदर कांवड़ भी हैं। कांवड़ यात्रा का एक दुखद पहलू भी है और वह है हुड़दंगबाजों की जमात द्वारा मारपीट और गाडियों की तोडफ़ोड़ करना जिससे शरीफ लोगों में दहशत का माहौल पैदा होता है। चूंकि 3 करोड़ से ज्यादा कांवड़िए हरिद्वार से विभिन्न मार्गों पर निकलते हैं, लिहाजा सडक़ों पर भयंकर जाम की स्थितियां निर्मित हो जाती हैं और कांवडियों से थोड़ा सा भी छू जाने पर गाडियों वालों की जान पर बन आती है, क्योंकि भक्त कांवडियों के वेष में शरारती तत्व गुंडागर्दी पर उतर आते हैं। प्रशासन को सामान्य लोगों की सुरक्षा एवं वाहनों से तोडफ़ोड़ करने वालों से सख्ती से पेश आने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी तोडफ़ोड़ की ऐसी घटनाओं को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने पुलिस को सख्त निर्देश दिए हैं कि जो कांवड़िए तोडफ़ोड़ की घटनाओं में संलिप्त रहे हैं या जिस किसी ने भी कानून को अपने हाथ में लिया है, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस यात्रा के दौरान कई युवा कांवडियों को नशा करते हुए भी देखा जा सकता है। एक कांवडिया तो कैमरे के सामने चरस दिखाते हुए दावा करता नजर आता है कि वह डेढ़ लाख रुपए की चरस लेकर चल रहा है, जिसका सेवन वह खुद भी कर रहा है और साथ चल रहे साथियों को भी करवा रहा है। कांवडियों द्वारा हरिद्वार के घाटों पर फैलाई गई गंदगी से गंगा मैया की पवित्रता भी दूषित हुई है।

आप का नजरीया

कंधों का सामुदायिक हो जाना

हिमाचल की आपातकालीन सेवाओं या राहत कार्यों की परिपाटी की आंखें उस समय खुल जाती हैं, जब मलाणा गांव के लोग बह गए पुल की जगह अपनी मेहनत का सेतु बना देते हैं। जाहिर है राहत एवं बचाव कार्यों की संगत में सामुदायिक भावना अगर जागृत अवस्था में आ जाए, तो बड़ी से बड़ी मुसीबत भी आसान हो जाती है। सामाजिक आचरण की गवाही में मलाणा का समाज जीत रहा है, वरना हम अपनी ही बेहतरी के इंतजाम में सामुदायिक संवेदना को हरा रहे हैं। हम अपनी गली, अपने मोहल्ले, अपने गांव में भले ही निजी उपलब्धियों की नुमाइश लगा दें, लेकिन बतौर समुदाय हिमाचल हार रहा है। मनरेगा जैसी योजनाओं ने हमें पंचायत के हर वार्ड में हारना सिखा दिया। ताजा उदाहरण शिलाई की नाया पंजोड़ पंचायत में मिलता है, जहां एक सार्वजनिक रास्ता मनरेगा की दिहाड़ी में उन्नीस लाख लूट लेता है। कागजों में बने कुल 21 लाख के रास्ते पर आखिर हारा कौन। वहां का समाज जिसने ऐसे जनप्रतिनिधि चुने जो केवल आंखों में धूल झौंकने के ही काबिल थे। ये दोनों उदाहरण मिलकर समाज की संरचना में सरकार की पैरवी करते हैं। दुर्भाग्य से राजनीति जबसे प्रोफेशन बन गई, जनप्रतिनिधि से अपेक्षाएं बदल गईं। वह समुदाय से आगे, भीड़ के मुताबिक और सत्ता के प्रयोग में एक पुर्जा बन गया है। इसी ध्रुवीकरण पर सरकार की सारी मशीनरी घूम रही है। बेशक वीआईपी सेवाएं बेहतर हुईं, लेकिन आम सेवाएं तो बिजली के कट की तरह हो गईं। इसलिए हर विधायक को जनता से रूबरू होने के लिए चमचमाता डाक बंगला चाहिए, राजनीतिक दलों को चौपाल नहीं पंचसितारा दफ्तर चाहिए, लेकिन कहीं जनता जब मलाणा हो जाए तो सुशासन के कंधे सामुदायिक हो जाते हैं। बहरहाल, मलाणा ने आपातकाल की जरूरतों को समझा, सरकारी तैयारी को समझा, राहत के पैमानों को समझा और अपनी आवश्यकता के अनुरूप चलने लायक पुल बना लिया। इसके विपरीत भी एक समाज सक्रिय है। यह समाज कूहलों का नामोनिशान मिटा रहा है। प्राकृतिक जल रिसाव के रास्ते में अपने विकास की आंखें दिखा रहा है। यह समाज नदी और खड्डों के किनारे ऊंची इमारतों में पसरने की हिमाकत करते-करते इतना आगे बढ़ जाना चाहता है कि कहीं धरती पर उतर कर इंद्रदेव को बताना पड़ रहा है। हिमाचल के कमोबेश हर शहर की नजर उस नाले पर होनी चाहिए जिसे खोदकर जिंदगी को आबाद करने की साजिश हो रही है। इनसानी फितरत ने अपने साथ एक 'आपातकाल' भी बना दिया है। यह आपातकाल हर ऋतु में आ रहा है। हर विकास के साथ आ रहा है। हर सडक़ परियोजना, विद्युत परियोजना का साथ निभा रहा है। आपातकाल के जख्मों को भरने के लिए सरकार की चौकसी, बचाव-राहत कार्यों के साथ-साथ सामाजिक जीवन की आचार संहिता व सामुदायिक भावना भी इंगित होनी चाहिए। यही आपातकाल मलाणा के लोगों ने अपने कंधे पर उठाकर पुल बना लिया। हिमाचल में विकास की गंगा ने कई शाबाशियां बटोरी हैं।

कैबिनेट का फैसला : हरियाणा में 58 साल तक नौकरी पर बने रहेंगे कच्चे कर्मचारी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में अनुबंधित कर्मचारियों के हित में बड़ा ऐतिहासिक फैसला लेते हुए जॉब सिक्योरिटी दी जाएगी। सरकार के इस निर्णय का प्रदेशभर में लगभग 1 लाख 20 हजार अनुबंधित कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। सरकार का यह निर्णय आउटसोर्सिंग पॉलिसी पार्ट-1 और पार्ट-2 सहित एचकेआरएन के तहत कार्यरत अनुबंधित कर्मचारियों पर लागू होगा। गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाओं को सेवानिवृत्ति की तिथि तक सुरक्षित रखने की गारंटी और उन्हें अधिक सुविधाएं देने के लिए अध्यादेश लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस अध्यादेश के अनुसार, राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न विभागों सहित हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्यरत सभी अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाओं को सेवानिवृति की अवधि तक सुरक्षित करने का प्रावधान किया है। 15 अगस्त, 2024 तक जिन अनुबंधित कर्मचारियों को 5 वर्ष पूरे हो जाएंगे वे इस नीति के तहत पात्र होंगे। अनुबंधित कर्मचारियों को पे-स्केल का बेसिक वेतन प्रदान किया जाएगा। साथ ही, महंगाई भत्ते (डीए) अलाउंस के अनुरूप नियमित कर्मचारी की तर्ज पर हर जनवरी और हर जुलाई की पहली तारीख को अनुबंधित कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि करने का भी प्रावधान किया है। सरकार ने अनुबंधित कर्मचारियों को 1 साल की सेवा के बाद सालाना वेतन वृद्धि देने का भी प्रावधान किया गया है। ऐसे सभी कर्मचारियों को डेथ-कम-रिटायरमेंट ग्रेच्युटी का लाभ भी मिलेगा। इतना ही नहीं, अनुबंधित कर्मचारी मेटरनेटी एक्ट के तहत मिलने वाले सभी लाभ के लिए भी पात्र होंगे। पीएम-जन आरोग्य योजना-चिरायु एक्सटेंशन योजना के तहत अनुबंधित कर्मचारियों के परिवारों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ भी प्रदान किया जाएगा, लेकिन पचास हजार रुपये प्रतिमाह से अधिक वेतन लेने वाले अनुबंधित कर्मचारी इस नीति के तहत पात्र नहीं होंगे। इसके अलावा, केंद्रीय प्रायोजित स्कीमों के तहत कार्यरत कर्मचारियों पर यह फैसला लागू नहीं होगा। जिन्हें 5 साल और अधिक वर्ष काम करते हुए हो गए हैं, उन्हें मानदेय के अतिरिक्त समान पद के अनुसार उस पद के न्यूनतम पे लेवल से 5 प्रतिशत अधिक मिलेगा। इसी प्रकार, जिन्हें 8 साल और अधिक वर्ष काम करते हुए हो गए हैं, उन्हें मानदेय के अतिरिक्त समान पद के अनुसार उस पद के न्यूनतम पे लेवल से 10 प्रतिशत अधिक मिलेगा। जिन कर्मचारियों को 10 साल और अधिक वर्ष काम करते हुए हो गए हैं, उन्हें मानदेय के अतिरिक्त समान पद के अनुसार उस पद के न्यूनतम पे लेवल से 15 प्रतिशत अधिक मिलेगा। मंत्रिमंडल की बैठक में एक और बड़ा निर्णय लिया गया जिसमें उपरोक्त सुविधाओं और लाभों में से जो लाभ गेस्ट टीचर्स एक्ट में नहीं मिलते, अब वे लाभ गेस्ट टीचर्स को भी दिए जाएंगे।

अवैध खनन को नहीं रोकने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने डीग की पहाड़ी तहसील में हो रहे अवैध खनन को नहीं रोकने के मामले में मुख्य सचिव, प्रमुख खान सचिव, खान निदेशक, संभागीय आयुक्त, डीग कलेक्टर और एसपी सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश विजय मिश्रा व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता डीडी खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि पहाड़ी तहसील में बडी संख्या में अवैध खनन किया जा रहा है। इसे रोकने के लिए स्थानीय निवासियों ने फरवरी, 2019 से लेकर अब तक कई बार प्रशासन और पुलिस को शिकायत कर चुके हैं। प्रशासन के अधिकारियों ने यहां दौरा कर अवैध खनन माना, लेकिन उसे रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिकाकर्ता ने मामले की सीबीआई जांच के लिए भी अधिकारियों के समक्ष गत माह अभ्यावेदन दिया था, लेकिन उस पर भी कुछ निर्णय नहीं लिया गया। याचिका में बताया गया कि उच्च स्तर पर शिकायत करने पर यहां दबिश दी गई, लेकिन टीम के आने से पूर्व में मिलीभगत के चलते खननकर्ताओं को जानकारी मिली गई और वे फरार हो गए। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि घनी आबादी के पास खनन में विस्फोटक का उपयोग किया जाता है। जिसके चलते स्थानीय निवासियों के लिए खतरा पैदा हो गया है। याचिका में गुहार की गई कि यहां चल रहे अवैध खनन को रोका जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

प्रदेश के बजट में धौलपुर के विकास के लिए विशेष प्रावधान : बेढम

धौलपुर (हिंस)। प्रदेश के राज्य मंत्री गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग तथा जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिहं बेढम ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण आज की माहती आवश्यकता है। इसी के चलते केंद्र एवं राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान शुरू किया है। धौलपुर प्रवास पर आए बेढम ने बृहस्पतिवार को स्थानीय सर्किट हाउस में मीडिया से वार्ता करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान पूरे देश में शुरू किया है। जिसके चलते अपनी मां के नाम पर लोग बड़े पैमाने पर पौधे रोपकर अभियान में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी हरियालो राजस्थान अभियान का आगाज मरुधरा में किया है। इस अभियान के जरिए राजस्थान में 7 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जिससे मरुधरा हरी-भरी हो सकेगी। बेढम ने बताया कि प्रदेश सरकार ने बजट में धौलपुर के हितों का पूरी तरह से ध्यान रखा है। धौलपुर में शिक्षा, सड़क, पेयजल तथा अन्य जन उपयोगी मदों में बजट का प्रावधान किया गया है। आज अधिकारियों की बैठक लेकर बजट संबंधी प्रावधानों की पालना की प्रगति को रिव्यू किया गया है। अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं, जिससे बजट के प्रावधानों को जल्द से जल्द अमलीजामा पहनाया जा सके। उन्होंने बताया कि पेयजल एवं बिजली आपूर्ति से संबंधित कुछ मामले सामने आए हैं। इस संबंध में अधिकारियों को खड़े दिशा निर्देश दिए गए हैं, जिससे इनमें जल्दी ही सुधार हो सकेगा। उन्होंने बताया कि धौलपुर में भी तो 24 घंटे में बहुत बरसात हुई है। जिसके चलते कुछ इलाकों में जल भराव के बारे में शिकायत मिली है।

जनता दरबार में डीएम ने लिया संज्ञान

बिहारशरीफ (हिंस)। दैनिक जनता दरबार में जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने गुरुवार को 18 आवेदकों की समस्याओं के निदान हेतु संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आवेदक द्वारा एन एच-31 से ग्राम खिदर चक का रास्ता जोड़ने से संबंधित मामले का समस्या निदान हेतु जिलाधिकारी महोदय ने पंचायत राज विभाग, ग्राम खिदर चक को निर्देश दिए। वही आवेदक दिव्यांग विद्यार्थी द्वारा बैट्री ट्राइसिकल की मांग किए जाने से संबंधित मामले में समस्या निदान हेतु जिलाधिकारी महोदय ने सहायक निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को निर्देश दिए। आवेदक द्वारा बताया गया कि बंटवारे के पन्द्रह साल के बाद, दिनांक 25/07/24 को उनके भाई द्वारा जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। इस मामले पर सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी महोदय ने राजस्व विभाग, ग्राम जोरारपुर को समस्या निदान हेतु निर्देश दिए। आवेदक द्वारा सौर्य ऊर्जा चलित मिनी जल आपूर्ति योजना के अन्तर्गत मानदेय भुगतान से संबंधित मामले में समस्या निदान हेतु जिलाधिकारी महोदय ने पीएचईडी कार्यपालक अभियंता, ग्राम - कुतलूपुर को निर्देश दिए। आवेदक द्वारा टोला परबलपुर स्थित प्लॉट नं.-4510 पर आए अतिक्रमण के मामले में समस्या निदान हेतु जिलाधिकारी महोदय ने एसडीओ हिलसा को निर्देश दिए।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो : विहिप

जोधपुर (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदू समाज के लोगों पर हो रहे अत्याचार व महिलाओं-बेटियों के साथ हो रहे जघन्य अपराध को लेकर गुरुवार दोपहर विहिप कार्यालय भारत माता मंदिर में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद जोधपुर प्रांत मंत्री परमेश्वर जोशी ने कहा कि पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद अराजक तत्व हावी हो गए हैं और कानून व्यवस्था सर्वथा निष्प्रभावी हो चुकी है। इस अराजक स्थिति में वहां के अतिवादी जिहादी तत्वों ने हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न शुरू कर दिया है। मंत्री जोशी ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिंदू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। पूरे बांग्लादेश में हर जिले में यह

वीभत्स कुकृत्य होने की सूचना है। कट्टरपंथियों के निशाने से शमशान तक नहीं बचे हैं। मंदिरों को भारी क्षति पहुंचाई गयी है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो जो इनकी हिंसा व आतंक का निशाना न बना हो। समय समय पर निरंतर अंतराल पर होने वाले ऐसे दंगों का ही परिणाम है कि बांग्लादेश में हिंदू जो विभाजन के समय 32 प्रतिशत थे, अब 8 प्रतिशत से भी कम बचे हैं और वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हैं। विहिप प्रांत उपाध्यक्ष मानाराम विश्नोई ने प्रेसवार्ता में कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यवसायिक प्रतिष्ठान व महिलाएं, बच्चे व उनकी आस्था व विश्वास के केंद्र मन्दिर तक सुरक्षित नहीं हैं। वहां पीड़ित अल्पसंख्यक हिंदुओं की हालत बद से भी बदतर होती जा रही है। यह स्थिति अत्यंत चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्रवाई करें। उपाध्यक्ष विश्नोई ने कहा कि निश्चय ही भारत इस परिस्थिति में आंखे मूंद कर नहीं रह सकता। भारत ने परंपरानुसार ही विश्वभर के उत्पीड़ति विस्थापितों की सहायता की है। विश्व हिंदू परिषद ने भारत सरकार से यह आग्रह किया है कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। विकट परिस्थिति का लाभ उठा कर जिहादियों द्वारा सीमा पार से घुसपैठ का एक बड़ा प्रयत्न किया जा सकता है। इससे सतर्क रहना होगा। इसलिए हमारे सुरक्षाबलों के लिए यह आवश्यक है कि सीमा पर कड़ी चौकसी बरतें और किसी भी तरह के अतिक्रमण को न होने दें। हमारी कामना है कि बांग्लादेश में शीघ्रतिशीघ्र लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सरकार पुनः स्थापित हो। वहां के अल्पसंख्यक समाज को मानवाधिकार मिले और बांग्लादेश की निरंतर हो रही आर्थिक प्रगति में कोई बाधा न आए। भारत का हिंदू समाज और सरकार इस विषय में निरंतर बांग्लादेश के सहयोगी बने रहेंगे।

भाजपा युवा मोर्चा 12 से 14 अगस्त तक निकालेगा मोटर साइकिल तिरंगा यात्राएं

फतेहाबाद (हिंस)। बीजेपी जिला कार्यालय में गुरुवार को भाजपा युवा मोर्चा की एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बीजेपी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राकेश भाम्भू ने की। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के महेश शर्मा, जगदीश शर्मा, विजय गोयल व श्याम कम्बोज ने शिरकत की। राकेश भाम्भू ने बताया कि पार्टी हाई कमान के निर्देशानुसार स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा युवा मोर्चा द्वारा जिलेभर में तीन दिवसीय मोटर साइकिल तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 12 से 14 अगस्त तक तीनों विधानसभाओं में युवा कार्यकर्ताओं द्वारा मोटर साइकिल तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। 12 अगस्त को रतिया में, 13 अगस्त को टोहाना तथा 14 अगस्त को फतेहाबाद में प्रातः 10 बजे तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा। उन्होंने जिलेभर के युवा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इस मोटर साइकिल तिरंगा यात्रा में बढ़चढ़ कर भाग लें तथा राष्ट्र गौरव का हिस्सा बनें।

मेरठ में हिंदू संगठनों ने फूंका बांग्लादेशी मुस्लिमों का पुतला

मेरठ (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में गुरुवार को कंकरखेड़ा में प्रदर्शन किया। उन्होंने बांग्लादेशी मुस्लिम कट्टरपंथियों का पुतला फूंका और भारत सरकार से हिंदुओं की रक्षा की मांग की। हिंदूवादी नेता सचिन सिरोही के नेतृत्व में गुरुवार को लोग एनएच-58 कंकरखेड़ा फ्लाईओवर पर इकट्ठा हुए और प्रदर्शन किया। सचिन सिरोही ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू को मारा जा रहा है और उनके घरों को जलाया जा रहा है। हिंदू मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। आगजनी करके मंदिरों को नष्ट कर दिया गया। बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार से भारत में रहने वाले 100 करोड़ हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंची है। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के कट्टरपंथी मुस्लिमों का पुतला फूंका और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजकर बांग्लादेश के सभी सनातनी हिंदुओं को भारत की नागरिकता तत्काल प्रभाव से देने की मांग की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से सनातनी हिंदुओं को सुरक्षित तौर पर भारत लाया जाए। भारतीय सेना को हिंदुओं पर अत्याचार करने वालों को कड़ी सजा दी जाए।

धूमधाम से निकली बूढ़ी तीज की सवारी

जयपुर (हिंस)। राजधानी का लोक पर्व बूढ़ी तीज की गुरुवार को धूमधाम से सवारी निकाली गई। इस अवसर पर जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने विधि-विधान से तीज माता की पूजा-अर्चना की। बूढ़ी तीज की सवारी सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से आरंभ होकर तालकटोरा पहुंची। तीज माता की सवारी को राज-ठाठ के साथ रवाना किया गया। तीज माता की सवारी के हर पल को ड्रोन कैमरे में कैद किया गया। इसी के साथ तीज माता पर ड्रोन के माध्यम से पुष्प वर्षा की गई। इसी दौरान तीज माता की सवारी के आरंभ होने से पूर्व कलाकारों ने विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दी। पर्यटन विभाग के उप निदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि 8 अगस्त को शाही लवाजमे के साथ तीज माता की सवारी निकाली गई। तीज माता की सवारी को देखने के लिए काफी बड़ी संख्या में विभिन्न जगहों से पर्यटक त्रिपोलिया गेट के बाहर पहुंचे। तीज माता पर त्रिपोलिया गेट से छोटी चौपड़ तक ड्रोन से पुष्प वर्षा की गई। तीज माता की सवारी त्रिपोलिया गेट से रवाना होकर त्रिपोलिया बाजार छोटी चौपड़ होते हुए गणगौरी बाजार से तालकटोरा पहुंची। एलईडी स्क्रीन से हुआ सीधा प्रसारण पर्यटन विभाग की ओर तालकटोरा पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। इसी के साथ तीज उत्सव को यादगार बनाने के लिए अल्बर्ट हॉल, हवा महल, आमेर महल, सिटी पैलेस पर सेल्फी पाइंट भी बनाए गए। जिसमें तीज माता की सवारी देखने आए देशी-विदेशी सभी लोगों ने सेल्फी लेकर आनंद लिया।

पटना में गांधी और दीघा घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर, बागमती, कोसी व गंडक भी उफान पर

पटना (हिंस)। नगर के गांधी घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। दीघा घाट पर भी जलस्तर में इजाफा हुआ है। गांधी घाट पर बुधवार सुबह नदी का जलस्तर 48.35 मीटर था, वह गुरुवार सुबह 48.70 मीटर पर पहुंच गया है। गंगा खतरे के निशान से 10 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। दीघा घाट पर भी गंगा नदी 49.54 मीटर से बढ़कर 49.92 मीटर पर पहुंच गई है। इस तरह से यहां 38 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है। फतुहा और हाथीदह में भी नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। यहां भी यह भी गंगा खतरे के निशान के पास पहुंच गई है। नेपाल समेत उत्तर बिहार में हो रही वर्षा से कई नदियों में फिर से उफान आ गया है। सीतामढ़ी-शिवहर में कोसी, झीम और रातो नदी के जलस्तर में वृद्धि देखी जा रही है। शिवहर में बागमती खतरे के निशान से 73 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। कोसी और सीमांचल की नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। खगड़िया में गंगा और बूढ़ी गंडक रफ्तार में है। दोनों नदियां तेजी से खतरे के निशान की ओर बढ़ रही हैं। पिछले 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 43 और बूढ़ी गंडक के जलस्तर में 53

सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। वहीं कोसी के जलस्तर में 10 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। कोसी खतरे के निशान से 37 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। बागमती के जलस्तर में बीते 24 घंटे के दौरान 15 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। बागमती खतरे के निशान से 49 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। सुपौल स्थित बराज पर शाम चार बजे कोसी का डिस्चार्ज 2, 14, 220 क्यूसेक रिकार्ड किया गया। बराज के 27 फाटकों को उठाते हुए इसे डाउन स्ट्रीम में पास आउट कराया जा रहा है। हालांकि मुख्य अभियंता ने तटबंध के सभी बिंदुओं को सुरक्षित बताया है। मधुबनी और दरभंगा में कोसी और कमला में भी चढ़ाव है। वाल्मीकिनगर गंडक बराज से बुधवार की शाम 1.42 लाख क्यूसेक पानी गंडक नदी में छोड़ा गया है। पिपरा-पिपरासी तटबंध के विभिन्न कटान स्थलों पर नदी का दबाव बना हुआ है।

विनेश फौगाट के पक्ष में उतरे बांगर के किसान संगठन

जींद (हिंस)। ओलिंपिक फाइनल में खेलने के लिए डिस्क्वालिफाई करार दी गई कुश्ती खिलाड़ी विनेश फौगाट के पक्ष में बांगर के किसान संगठन वीरवार को उतरे। किसान संगठनों ने केंद्र सरकार के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी कर रोष प्रकट किया। उपमंडल कार्यालय में अनिश्चित कालीन धरना दे रहे धरना संयोजक की अगुवाई में किसान एकत्रित हुए। एसडीएम कार्यालय के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देते हुए विनेश फौगाट के डिस्क्वालिफाई किए जाने की जांच की मांग के साथ.साथ विनेश फौगाट को डिस्क्वालिफाई करने को बड़ी साजिश करार भी दिया। किसान नेता आजाद पालवां ने कहा कि राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा गया है। विनेश फौगाट कुश्ती खिलाड़ी है और उसके साथ अन्याय हुआ है उसे न्याय दिलाने के लिए ज्ञापन भेजा गया है। ये विनेश फौगाट का अपमान नहीं है बल्कि पूरे देश का अपमान है।

महिला का दुपट्टा खींच दुर्व्यवहार के आरोपी वकील की हाईकोर्ट बार ने रद्द की सदस्यता

प्रयागराज (हिंस)। हाईकोर्ट कर्मचारी की पत्नी का दुपट्टा खींचने के मामले में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने कार्रवाई करते हुए आरोपी वकील राम बहादुर गुप्ता के बार की सदस्यता समाप्त कर दी है। बार एसोसिएशन कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से यह फैसला लिया है। विगत शुक्रवार को जी टी रोड पर एक वकील का महिला के साथ दुर्व्यवहार करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस घटना को लेकर हाईकोर्ट मिनिस्टीरियल ऑफिसर एसोसिएशन ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को पत्र लिखकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग थी। हाईकोर्ट कर्मचारी की पत्नी अपने पति को हाईकोर्ट छोड़ने के लिए आई थी। जब वह अपने पति को छोड़कर वापस लौट रही थी तो उसकी स्कूटी एक वकील की कार से टकरा गई। इसे लेकर वकील और महिला के बीच झड़प हो गई।

राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के संकल्प संग फहरेगा तिरंगा : हरीश

मुरादाबाद (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के बुद्धि विहार स्थित पार्टी कार्यालय में गुरुवार को हर घर तिरंगा अभियान को लेकर प्रेस कांफ्रेंस संपन्न हुई। जिसे संबोधित करते हुए भाजपा पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने कहा कि राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के संकल्प की प्रतिबद्धता के साथ स्वतंत्रता दिवस पर पूरे प्रदेश में इस बार भी हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा। समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़कर तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। महापुरुषों व अमर बलिदानियों की प्रतिमाओं के आस पास स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। हर घर में तिरंगा फहराने के लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस पर गोष्ठी, प्रदर्शनी व मौन जुलूस का आयोजन होगा। क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आगे कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 112वें संस्करण में कहा था कि 15 अगस्त का दिन अब दूर नहीं हैं, अब तो 15 अगस्त के साथ एक और अभियान जुड़ गया है हर घर तिरंगा अभियान। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन हर घर तिरंगा के संकल्प के साथ अभियान की विस्तृत कार्य योजना तैयार की है। यह अभियान जिला मुख्यालय से लेकर प्रत्येक बूथ तक संपन्न होगा। क्षेत्रीय महामंत्री ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत पूर्व में प्रदेश भर के पदाधिकारी की कार्यशाला संपन्न हुई, जिसमें इस अभियान को लेकर जानकारी दी गई। आज (गुरुवार) भाजपा जिला व महानगर इकाई की अलग-अलग कार्यशाला बैठक संपन्न हुई, जिसमें पदाधिकारियों को इस अभियान के बारे में विस्तृत रूप रेखा के बारे में बताया गया। नौ अगस्त को मंडल स्तर पर कार्यशाला संपन्न होगी। इसके बाद भाजपा युवा मोर्चा द्वारा 11, 12 और 13 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, 12, 13, 14 अगस्त को समाज के सभी वर्गों के लोगों को साथ लेकर महापुरुषों की प्रतिमाओं एवं स्मारकों के आसपास स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाएगा। अमर बलिदानियों व महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करके पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उन्हें नमन करेंगे। 13, 14 व 15 अगस्त को प्रत्येक पदाधिकारी व कार्यकर्ता जन-जन से संपर्क करके प्रत्येक घरों एवं व्यवसायिक केंद्रों पर हर घर तिरंगा फहराने हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह करेंगे। हरीश ठाकुर ने आगे बताया कि 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर जिला व महानगर में गोष्ठी का आयोजन होगा और मौन जुलूस निकाला जाएगा। इसके साथी विभाजन की विवेशका को प्रदर्शित करते हुए प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर पार्टी के पदाधिकारी हर बूथ पर तिरंगा फहराने के लिए घर-घर संपर्क करेंगें व स्वतंत्रता दिवस के सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल व महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि यह अभियान स्वतंत्रता दिवस को उत्सव के रूप में मनाने के लिए चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, क्रांतिकारियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण होंगे, विभाजन की विभाषिका को याद दिलाने के लिए प्रदर्शनी लगेगी और मौन जुलूस निकाला जाएगा।

बांग्लादेश के हिंदुओं को भारत में देना चाहिए शरण : शाह हसन

भागलपुर (हिंस)। बंग्लादेश में अराजकता थमने का नाम नहीं ले रहा। हर कोई खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। बंग्लादेश में हिंदू भाई के साथ हो रहे घटना पर देश के प्रसिद्ध खानकाह-ए-पीर शाह के 15वें सज्जादानशीं सैयद शाह फखरे आलम हसन ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह चिंता का विषय है। बंग्लादेश में सत्ता परिवर्तन हुआ है और आम जनता का आक्रोश देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि जनता अपनी सरकार से संतुष्ट नहीं थी। इस लिए हफ्ते भर के अंदर बंग्लादेश सरकार धराशायी हो गई। नई सरकार का गठन होने जा रहा है। सज्जादानशीं शाह हसन ने कहा सबसे ज्यादा जिस बात से तकलीफ हो रही है कि बंग्लादेश के अल्पसंख्यकों के

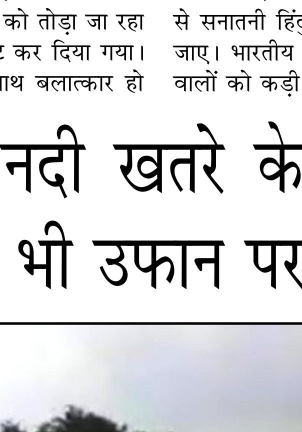

साथ जो जो हिंदू धर्म के मानने वाले हैं। उनके साथ दुर्व्यवहार और हिंसा की जा रही है। वह कहीं से जायज नहीं है। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। यह समाज के तमाम लोगों के लिए कष्टदायक है। शाह हसन ने कहा कि बंग्लादेश में बनने वाली नई सरकार लोगों के प्रतिसंवेदनशील होना चाहिए और उनकी पीड़ा को दूर करने की जरूरत है। समाजिक न्याय करते हुए हिंदुओं भाईयों का पूरा ख्याल रखने की आवश्यकता है। सज्जादानशीं ने भारत सरकार से भी अनुरोध किया है कि बंग्लादेश में हिंदू भाईयों को हर संभव सुरक्षा मुहैया करना चाहिए। सज्जादानशीं शाह हसन ने मोदी सरकार से अनुरोध किया है कि बंग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू भाईयों को भारत में शरण देकर उन्हें यहां की नागरिकता देनी चाहिए। ताकि हिंदू भाई की रक्षा की जा सके।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर : दास

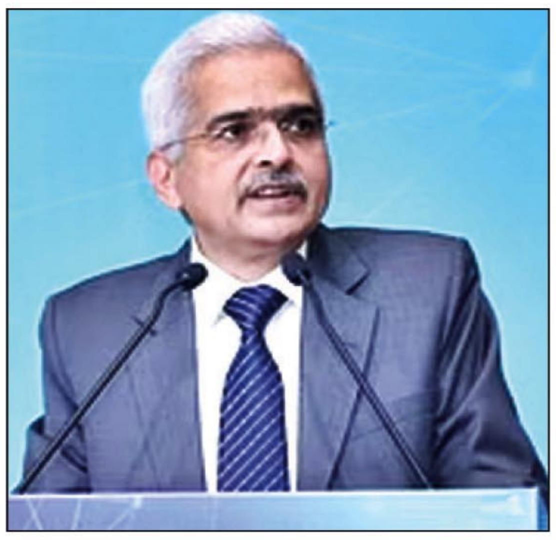

मुंबई/नई दिल्ली।
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 19 जुलाई को विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 670.85 अरब डॉलर रहा था, जबकि 26 जुलाई को यह 667.38 अरब डॉलर रहा था।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्वमासिक समीक्षा बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी बाह्य वित्त पोषण जरूरतों को आराम से पूरा करने का भरोसा है। उन्होंने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जून, 2024 से घरेलू बाजार में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। जून से छह अगस्त के दौरान 9.7 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह हुआ है, जबकि अप्रैल और मई में 4.2 अरब डॉलर की निकासी हुई थी।

गवर्नर दास ने कहा कि अप्रैल-मई 2024 में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 20 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई। वहीं इस अवधि के दौरान शुद्ध एफडीआई प्रवाह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय इकाइयों द्वारा बाह्य वाणिज्यिक कर्ज में कमी आई, लेकिन अप्रैल-मई में गैर-निवासियों की जमाराशि में वृद्धि दर्ज हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने यूपीआई के जरिए भुगतान की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया

आरबीआई ने यूपीआई उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। रिजर्व बैंक ने यूपीआई के जरिए कर भुगतान करने की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। श्री दास ने बताया कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। उन्होंने कहा कि एमपीसी ने यूपीआई के जरिए भुगतान की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। फिलहाल यूपीआई के लिए कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपये है। दास ने कहा कि विभिन्न उपयोग-मामलों के आधार पर रिजर्व बैंक ने पूंजी बाजार, आईपीओ अभिदान, ऋण संग्रह, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है। दास ने मौद्रिक नीति समिति के फैसलों को बताते हुए कहा कि चेक क्लीयरेंस सिर्फ कुछ घंटों में करने के लिए कदम उठाने का प्रस्ताव है। दास कहा कि चूंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान सामान्य, नियमित तथा उच्च मूल्य के हैं। इसलिए यूपीआई के जरिए कर भुगतान की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख प्रति लेन-देन करने का निर्णय एमपीसी की बैठक में लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आवश्यक निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। रिजर्व बैंक गवर्नर ने बताया कि अनधिकृत कंपनियों की जांच के लिए डिजिटल ऋण देने वाले एप के सार्वजनिक तौर पर आंकड़े तैयार करने का भी प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई के अनुसार यूपीआई का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ पर पहुंच गया है। यूपीआई में 'डेलिगेटेड पेमेंट्स' शुरू करने के प्रस्ताव से देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

नवोन्मेषी उत्पादों तथा सेवाओं के जरिये जमा जुटाएं बैंक : शक्तिकान्त दास

मुंबई। घरेलू बचत के वैकल्पिक निवेश विकल्पों की ओर बढ़ने से चिंतित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बैंकों से कहा कि वे अपने विशाल शाखा नेटवर्क का लाभ उठाकर नवोन्मेषी उत्पादों तथा सेवाओं के जरिये जमा जुटाएं। उन्होंने कहा कि बैंक बढ़ती ऋण मांग को पूरा करने के लिए अल्पकालिक गैर-खुदरा जमा और देयता के अन्य साधनों का अधिक सहारा ले रहे हैं। जैसा कि मैंने जोर दिया है, इससे बैंकिंग प्रणाली में संरचनात्मक नकदी संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। दास ने कहा कि वैकल्पिक निवेश के रास्ते खुदरा ग्राहकों के लिए अधिक आकर्षक होते जा रहे हैं। इसके चलते बैंकों को वित्तपोषण के मोर्चे पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि जमा वृद्धि कर्ज मे बढ़ोतरी से पीछे है। उन्होंने कहा कि बैंकों को नवोन्मेषी उत्पादों तथा सेवाओं की पेशकश के जरिये तथा अपने विशाल शाखा नेटवर्क का पूर्ण लाभ उठाकर घरेलू वित्तीय बचत को जुटाने पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। दास ने पुराने गृह ऋण पर अतिरिक्त कर्ज लेने की बढ़ती प्रवृत्ति पर भी चिंता व्यक्त की। गवर्नर ने कहा कि इस संबंध में ऋण से मूल्य (एलटीवी) अनुपात, जोखिम भार और धन के अंतिम उपयोग की निगरानी से संबंधित नियामकीय निर्देशों का कुछ इकाइयों द्वारा कड़ाई से पालन नहीं किया जा रहा है। बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) भी स्वर्ण ऋण जैसे अन्य गारंटी वाले कर्जों मसलन गोल्ड लोन पर 'टॉप-अप' ऋण की पेशकश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यवहार से कर्ज के रूप में दी गई राशि का उपयोग अनुत्पादक क्षेत्रों में या सट्टेबाजी के लिए किया जा सकता है। इसलिए बैंकों और एनबीएफसी को ऐसी प्रथाओं की समीक्षा करने और सुधारात्मक कार्रवाई करने की सलाह दी जाती है।

विदेशी हैकर्स ने की 2000 करोड़ की क्रिप्टो करंसी चोरी, मुकदमा दर्ज

नई दिल्ली। भारत के क्रिप्टो एक्सचेंज प्लैटफार्म वजीर एक्स के मल्टीसिग वॉलेट पर एक बड़े साइबर अटैक के मामले की जानकारी मिली है। विदेशी हैकर्स ने लगभग दो हजार करोड़ के क्रिप्टो कॉइन चोरी कर लिए। इस मामले में वजीर एक्स की तरफ से दिल्ली पुलिस में शिकायत की गई। 2000 करोड़ का मामला होने की वजह से स्पेशल सेल की आईएफएसओ (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन) यूनिट ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस साइबर हमले के पीछे उत्तर कोरिया के हैकर्स का हाथ बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक 18 जुलाई को अब तक की सबसे बड़ी क्रिप्टो कॉइन चोरी की यह वारदात हुई थी। हैकर्स ने लगभग 230 मिलियन डॉलर के क्रिप्टो हैक करके चोरी कर लिए थे। वजीर एक्स पर सबसे अधिक भारतीय यूजर हैं, ऐसे में सीधे तौर पर उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ। इस घटना के बाद क्रिप्टो यूजर्स में हड़कंप मचा हुआ था। उन्होंने इस घटना के लिए वजीर एक्स पर भी सवाल खड़े किए। वजीर एक्स पर क्रिप्टो होल्डर ने बताया कि हैकिंग के इतने दिनों बाद लोगों को पैसा जबरन ब्लॉक कर लिया गया है। एक्सजेंच पूरी तरह से बंद है। आरोप है कि क्रिप्टो चोरी तकनीकी तौर पर कंपनी की लापरवाही की वजह से हुई। दरअसल, सूत्रों ने बताया कि वजीर एक्स एक क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज है और वो अपने सारे फंड्स सिक्योर वॉलेट्स में स्टोर करते थे, लेकिन कुछ हैकर्स ने वॉलेट्स को ही हैक कर दिया। यह बहुत ही शातिराना तरीके से किया गया।

गौतम अडानी के रिटायर होने की समयसीमा अभी तय नहीं

नई दिल्ली। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने 210 अरब डॉलर के अपने कारोबार समूह से रिटायर होने और उसकी कमान अपने बेटों एवं भतीजों को सौंपने को लेकर कोई समयसीमा तय नहीं की है। अडानी एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजारों को इसके बारे में बताया है। कंपनी ने कहा कि एक मीडिया रिपोर्ट में गौतम अडानी के उत्तराधिकारी वाले बयान का गलत अर्थ निकाला गया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में गौतम अडानी ने कारोबार की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उत्तराधिकार की योजना पर अपने विचार साझा किए। न्होंने कहा कि उत्तराधिकार केवल एक घटना नहीं है, बल्कि एक यात्रा है, और यह नेचुरल, क्रमवार और व्यवस्थित तरीके से होनी चाहिए। कंपनी के मुताबिक जैसा रिपोर्ट में कहा गया है, उस तरह से गौतम अडानी ने अपनी रिटायरमेंट के लिए 70 वर्ष की उम्र निर्धारित नहीं की थी। कंपनी ने कहा कि अडानी ने सेवानिवृत्ति की कोई तारीख या समय नहीं तय किया है। उन्होंने समूह के विभिन्न व्यवसायों में अपने दो बेटों और दो भतीजों की भागीदारी का उल्लेख किया था। पांच अगस्त की रिपोर्ट में कहा गया था कि 62 वर्षीय अडानी 70 वर्ष की आयु में पद छोड़ने की योजना बना रहे हैं। इस रिपोर्ट में अडानी के हवाले से कहा गया था, कारोबार की स्थिरता के लिए उत्तराधिकार बहुत महत्वपूर्ण है।

मार्केट में पूरे दिन बना रहा उतार-चढ़ाव का माहौल

लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार सेंसेक्स और निफ्टी भी लुढ़के

चौतरफा बिकवाली के दबाव के कारण निवेशकों को 2.79 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली।
पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद से ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.73 प्रतिशत और निफ्टी 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

गुरुवार के कारोबार में बैंकिंग और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में मामूली खरीदारी होती रही। दूसरी ओर आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी गुरुवार को लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ गुरुवार को कारोबार का अंत किया।

गुरुवार को बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन गुरुवार को कारोबार के बाद घट कर 445.78 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 448.57 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 2.79 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,014 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,831 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,081 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 102 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,348 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 966 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,382 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स गुरुवार को 47.52 अंक की मामूली गिरावट के साथ 79,420.49 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। हालांकि दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक उछल कर कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचा, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसने एक बार फिर लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन की खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 79 हजार अंक के स्तर से भी नीचे लुढ़क कर 581.79 अंक की कमजोरी के साथ 78,886.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने गुरुवार को 48.95 अंक टूट कर 24,248.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद दोपहर 12 बजे के करीब ये सूचकांक हरे निशान में 24,340.50 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इस स्तर पर पहुंचने के बाद मंदड़ियों ने बाजार में चौतरफा दबाव की स्थिति बना दी, जिसकी वजह से ये सूचकांक 217.80 की जोरदार गिरावट के साथ गुरुवार को सबसे निचले स्तर 24,079.70 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 180.50 अंक की कमजोरी के साथ 24,117 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचडीएफसी लाइफ 2.03 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 1.60 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.22 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 1.18 प्रतिशत और सिप्ला 1.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ गुरुवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एलटी माइंडट्री 4.12 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 3.50 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 3.10 प्रतिशत, इंफोसिस 2.71 प्रतिशत और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 2.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल और डीजल के रेट्स

नई दिल्ली।
भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम पर आधारित होती हैं। भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के भाव दाम तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव अपडेट करती है। ऐसे ही तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है।

गौरतलब है कि राज्य स्तर पर पेट्रोल- डीजल के भाव बदल गए हैं। इसके तहत कुछ राज्यों में कीमतें कम हुई हैं, कुछ में बढ़ी हैं और कई में स्थिर रहीं हैं। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर है। वहीं देश के महानगरों दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर ओर चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

सीगल इंडिया का शेयर तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। ढांचागत क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया का शेयर गुरुवार को 401 रुपये के निर्गम मूल्य से लगभग 4.50 प्रतिशत तेजी के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 413 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 2.99 प्रतिशत की बढ़त दिखाता है। बाद में यह 5.98 फीसदी बढ़कर 425 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 4.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 419 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का शुरुआती कारोबार में बाजार मूल्यांकन 7,107.56 करोड़ रुपये रहा। सीगल इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बीते सोमवार को 13.75 गुना अभिदान मिला था। 1252.66 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 380-401 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

बीएसएनएल जनवरी से 5-जी सेवाएं प्रदान करेगा

उज्जैन।
बीएसएनएल एक बार फिर दूरसंचार सेवाओं में निजी कम्पनियों से मुकाबले के लिए मैदान में आ गया है। अभी कम्पनी द्वारा अपने उपभोक्ताओं को बाजार से कम दर पर 4-जी डाटा उपलब्ध करवाया जा रहा है। जनवरी माह से 5-जी सेवाएं भी शुरू हो जाएंगी। इसके लिए टीसीएस कम्पनी के देशी उपकरणों की तैनाती हो रही है। 3-जी तक चीनी कम्पनियों के उपकरणों पर निर्भरता थी, जिसकी आगे की सेवाओं तथा पूर्जों के अभाव में बीएसएनएल पिछड़ता चला गया।

यह जानकारी दी बीएसएनएल,उज्जैन के महाप्रबंधक बसंत गुप्ता ने। चर्चा में उन्होंने बताया कि इस समय बाजार में 4-जी डाटा प्लान सबसे अधिक सस्ते बीएसएनएल के ही हैं। चूंकि बैसिक इंफ्रा स्ट्रक्चर है। ऐसे में सेवाओं को कम खर्च कर उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संभाग में इस समय प्रति माह 36 हजार नए ग्राहक बीएसएनएल से जुड़ रहे हैं, यह अपने में रिकार्ड है। पहले प्रति माह करीब 6 हजार उपभोक्ता जुड़ते थे। चूंकि निजी कम्पनियों के डाटा प्लान महंगे होने तथा अंचलों तक नेटवर्क की समस्या आने के कारण एक बार फिर आम जनता का रूझान बीएसएनएल की ओर है।

बसंत गुप्ता ने बताया कि जिन मोबाइल उपभोक्ताओं के पास 3-जी सीम है,उन्हे बीएसएनएल की नई स्कीम के तहत 4-जी वाली सीम निःशुल्क दी जा रही है। उन्हे अपना मोबाइल फोन लेकर देवासगेट स्थित कार्यालय आना है। यहां हम 10 मिनिट में नई सीम दे देंगे, ताकि उपभोक्ताओं को वर्तमान दर पर ही 4-जी नेटवर्क प्राप्त हो जाए। इसके लिए कोई दस्तावेज लेकर नहीं आना है। उन्होंने बताया कि संभाग में 180 नए टॉवर लग रहे हैं, ताकि सेवाओं को बगैर बाधा के दिया जा सके। ये सभी टॉवर देशी उपकरणों से लेस होंगे। पूर्व में 3-जी तकनीक और उपकरण चीन से लिए गए थे। बाद में पूर्जों के अभाव में टॉवर बंद होते चले गए। इस बार देशी तकनीक का उपयोग होने से सब कुछ भारत में ही उपलब्ध होगा। ऐसे में भविष्य में कोई टॉवर आदि बंद नहीं होगा।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ सोना, सिल्वर में भी आई कमजोरी

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में 400 850 रुपये से लेकर 500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 69,410 रुपये से लेकर 69,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 63,640 रुपये से लेकर 63,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 500 रुपये तक की गिरावट आई है, जिसकी वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 81,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 69,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 63,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 69,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 63,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 69,310 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 63,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत

यूरोपीय बाजार में दिखा उत्साह, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से गुरुवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,199.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 171.05 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,195.81 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.08 प्रतिशत टूट कर 38,732.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 140.19 अंक यानी 1.72 प्रतिशत उछल कर 8,166.88 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 135.97 अंक यानी 1.87 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,266.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 260.83 अंक यानी 1.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,615.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 164.69 अंक यानी 0.47 प्रतिशत टूट कर 34,924.93 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,556.26 अंक के स्तर तक लुढ़क गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में गुरुवार को बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 235.28 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,060 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.32 प्रतिशत लुढ़क कर 7,189.33 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 105.50 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,245.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,256.66 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स फिलहाल 131.47 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,009.33 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत उछल कर 1,294 55 अंक तक पहुंच गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,880.61 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सपाट स्तर पर बंद हुआ रुपया

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 83.97 पर बंद हुआ जबकि गत दिवस रुपया 83.96 पर बंद हुआ। इस प्रकार रुपये में एक पैसे की बढ़त आई है। इससे पहले गरुवार सुबह भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के बाद गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.94 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को 83.95 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 103.06 पर रहा।

पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

नई दिल्ली।
पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलीं। इस दौरान रक्षा मंत्री ने मनु की जमकर प्रशंसा करते हुए एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की है उन्होंने कहा कि देश की शीर्ष निशानेबाज से मिलकर बेहद खुशी हुई। राजनाथ ने कहा हर भारतीय आपके अविश्वसनीय प्रदर्शन से बेहद उत्साहित है। अपने जिस प्रकार पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रहा है उससे सभी बेहद खुश हैं। इसके साथ ही रक्षामंत्री ने उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मनु के साथ इस दौरान उनके कोच जसपाल राणा भी थे।

इससे पहले इस निशानेबाज ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे एवं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा से भी मुलाकात की थी। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने ओलंपिक में मनु के असाधारण प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा, हमारी बहन मनु को बधाई, जिन्होंने देश का गौरव बढ़ाने का काम किया है। साथ ही कहा, स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी जिसने एक ही ओलंपिक में दो पदक जीते हैं, यह हमारे लिए किसी गर्व की बात से कम नहीं है। इससे पहले मनु भाकर ने नई दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात की थी।

मनु ने ओलंपिक में भारत के लिए महिलाओं की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद सरबजोत सिंह और भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जो भारत का पहला निशानेबाज टीम पदक था।

थोड़े ब्रेक के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक की तैयारी शुरू करूंगी

पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का कहना है कि अभी से वह 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर ध्यान लगाएंगी। उनका लक्ष्य भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। मनु ने पेरिस में व्यक्तिगत और मिश्रित इवेंट में कांस्य पदक जीता था। मनु ने कहा, 'एक ओलंपिक के खत्म होने के बाद अब मेरे दिमाग में अगला ओलंपिक चल रहा है। इसके लिए सफर शुरू भी हो गया है। अब पेरिस के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक की यात्रा शुरू हो चुकी है और थोड़े ब्रेक के बाद मैं इसकी तैयारी शुरू कर दूंगी। मुझे उम्मीद है कि मेरा प्रदर्शन इस बार की तरह अच्छा रहेगा। मैं कड़ी मेहनत करके अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी.' मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। वह 25 मीटर पिस्टल में तीसरा कांस्य जीतने से मामूली अंतर से रह गयीं थीं। इस खिलाड़ी ने, 'अगले तीन महीनों में बहुत से लोग मुझसे मिलना चाहेंगे और फिर मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊंगी। थोड़ा आराम करूंगी और अपनी फिटनेस पर काम करके फिर निशानेबाजी अभ्यास शुरू करूंगी।'

न्यूज ब्रीफ

चौथे स्थान पर आने के बाद मीराबाई चानू ने कहा-मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन पदक से चूक गई

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहने के बाद, भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने निराशा व्यक्त करते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए कड़ी मेहनत करने की कसम खाई। चानू पदक जीतने से चूक गई, उन्होंने कुल 199 किग्रा के साथ चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, मैंने देश के लिए पदक जीतने की पूरी कोशिश की, लेकिन आज मैं चूक गई...यह खेल का एक हिस्सा है, हम सभी कभी जीतते हैं और कभी हारते हैं...अगली बार मैं देश के लिए पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी...मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी और अगले गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी। भारत और चानू के लिए, पेरिस में यह एक और चौथा स्थान था, जब वे कुल 199 किग्रा के साथ पदक जीतने से चूक गए। पहला स्नैच इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर एक ही बार में अपने सिर के ऊपर उठाना होता है। दूसरा क्लीन-एंड-जर्क इवेंट था, जिसमें भारोत्तोलक को बारबेल उठाकर अपनी छाती तक लाना होता है (क्लीन) और फिर अपनी बाहों और पैरों को फैलाकर सीधी कोहनी से उसे सिर के ऊपर उठाना होता है (जर्क)। भारोत्तोलकों को तब तक इसे वहीं पर रखना होता है जब तक बजर बज न जाए। चीन की होउ झिहुई ने कुल 206 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीता, रोमानिया की मिहेला वैलेंटिना कैम्बेई ने 205 किग्रा के साथ रजत पदक जीता और थाईलैंड की सुरोदचाना खंबाओ ने 200 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड दूसरी जीत की तलाश में, इंटर काशी फाइनल ग्रुप गेम खेलेगा

कोकराझार/कोलकाता। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (एनईयूएफसी) ने कोकराझार के साई स्टेडियम में ग्रुप ई में लगातार दूसरी जीत हासिल करने के लक्ष्य से बीएसएफ का सामना करेगा, जबकि आई-लीग टीम और डुरंड कप में पदार्पण करने वाली इंटर काशी, ग्रुप बी मुकाबले में भारतीय नौसेना के खिलाफ कोलकाता के किशोर भारती क्रिरांगन (केबीके) में जीत के साथ अपने 133वें इंडियनऑयल डूरंड कप ग्रुप स्टेज अभियान को समाप्त करने की कोशिश करेगा। शुक्रवार (अगस्त 9, 2024) को डबल-हेडर क्रमशः कोलकाता में भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे और कोकराझार में शाम 7 बजे शुरू होंगे। हाइलैंडर्स, स्थानीय पसंदीदा बोडोलैंड एफसी पर अपनी शुरुआती गेम जीत के बाद जुआन पेड्रो बेनाली की अगुवाई में बहुत उत्साहित हैं और शुक्रवार को बीएसएफ की टीम के खिलाफ एक और बेहतरीन प्रदर्शन करना चाहेंगे, जिसने ओडिशा एफसी के खिलाफ पांच गोल खाए थे। जितिन एमएस और अंकित पद्मनाभन जैसे नॉर्थईस्ट खिलाड़ी पार्थिब गोगोई के साथ अच्छी तरह से संयुक्त हैं और बीएसएफ की रक्षा के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करेंगे, जिन्हें अपने पहले गेम में हारने के बाद जल्दी से अपना कार्य सुधारना होगा। वाराणसी स्थित टीम इंटर काशी, जो पिछले सीजन में अपने पदार्पण आई-लीग अभियान में चौथे स्थान पर रही थी, ने भी अपने पहले डुरंड कप गेम में प्रभावित किया जब उन्होंने अपने दूसरे मैच में बेंगलुरु एफसी से हारने से पहले स्थानीय दिग्गजों मोहम्मडन स्पोर्टिंग को 1-1 से ड्रॉ पर रखा।

रोहित बोले सीरीज हारने का मतलब सब कुछ समाप्त होना नहीं, कई क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत

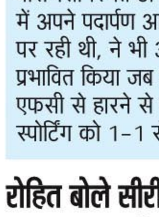

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हार के बाद कहा कि एक सीरीज हारने का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ समाप्त हो गया है। रोहित ने कहा कि इन्हीं खिलाड़ियों को लेकर हम पिछले कुछ साल से शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं। ऐसे में तय है कि कुछ सीरीज हारेंगे भी। उन्होंने माना कि भारतीय टीम ने इस सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं खेला। कप्तान ने कहा, 'हमने पूरी सीरीज में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला और इसलिए ये हाथ से निकल गयी पर सीरीज में कुछ सकारात्मक चीजें भी हुईं।' सीरीज के तीसरे व अंतिम मैच में विष्का फर्नांडो और कुसाल मेंडिस के अर्धशतक और दुनिथ वेलालागे की अच्छी गेंदबाजी से श्रीलंका ने भारतीय टीम को 110 रन से हराकर सीरीज 2-0 से जीत ली थी। इस सीरीज का पहला मैच टाई रहा था जबकि दूसरे में श्रीलंकाई टीम जीती थी।

पेरिस ओलंपिक में पदक विजेताओं की स्वदेशी वापसी पर जश्न

पदक विजेता स्वप्निल कुसाले का भव्य स्वागत, गणेश मंदिर में दर्शन किए

मुंबई।
पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के पुणे शहर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। कुसाले ने पिछले हफ्ते 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पहला ओलंपिक कांस्य पदक जीता था।

सुबह पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पारंपरिक ढोल-ताशा की थाप के बीच लोगों ने कुसाले का स्वागत किया। पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कुसाले ने इसके बाद शहर के बीचों-बीच स्थित प्रसिद्ध श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की। शहर के बालेवाड़ी स्थित श्री शिव छत्रपति खेल परिसर में शूटिंग रेंज में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। कुसाले के कांस्य पदक जीतने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें एक करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की।

मध्य रेलवे ने भी कुसाले को पदोन्नत कर विशेष कार्य अधिकारी नियुक्त किया है। वह 2015 में मध्य रेलवे के पुणे डिवीजन में 'कमर्शियल कम टिकट क्लर्क' के पद पर शामिल हुए थे। कुसाले ने इससे पहले 2023 में चीन में एशियाई खेलों में, 2022 में बाकू में हुए विश्व कप और 2021 में नयी दिल्ली में स्वर्ण पदक जीते थे।

अब माता-पिता के कष्ट दूर करने की बारी मेरी

स्वप्निल को जब पदक पहनाया जा रहा था तो उनकी नजर वहां मौजूद भारतीयों और तिरंगे पर थी। वह कहते हैं कि यह पदक भारत का है और देश को ही

समर्पित है। स्वप्निल के निशानेबाजी के इस सफर में उनके पिता सुरेश महादेव कुसाले ने भी काफी संघर्ष किया। स्वप्निल भी कहते हैं कि माता-पिता ने उनके लिए बहुत कुछ दिया। अब उनके लिए करने की बारी मेरी है। स्वप्निल कहते हैं कि वह उनके सारे कष्टों को दूर करने की कोशिश करेंगे। उनकी माता-पिता से बात हुई, वह बेहद भावुक हो गए थे। उनसे बात कर मैं भी भावुक हो गया।

कोच ने नीलिंग पैड ठीक नहीं कराया होता तो दिक्कत हो जाती

स्वप्निल बताते हैं कि फाइनल से पहले वह नीलिंग पोजीशन को लेकर दिक्कत में थे। उनके निशाने सही नहीं बैठ रहे थे। वह परेशान थे। इस बारे में उन्होंने कोच दीपाली देशपांडे से बात की। अंत में पता लगा कि उनके नीलिंग पैड में दिक्कत है। यात्रा के समय यह पैड दब गया, जिसके चलते उनका घुटना इस पैड पर सही से सेट नहीं हो पा रहा था। इस कारण उनकी पोजीशन खराब हो रही थी, जिससे स्कोरिंग पर फर्क पड़ रहा था। कोच ने ही उन्हें पैड में टिश्यू पेपर भरवाए और तब पोजीशन ठीक हुई। अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो उन्हें मैच में बड़ी समस्या आ सकती थी।

विनेश को 25 लाख रुपए का ईनाम देगी एलपीयू यूनिवर्सिटी

जालंधर। पंजाब की एलपीयू यूनिवर्सिटी ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को 25 लाख रुपए नकद ईनाम देने की घोषणा की है। विनेश फोगाट पंजाब के फगवाड़ा स्थित एलपीयू की छात्रा रही हैं। विनेश ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 50 किलो भार वर्ग के फ्री स्टाइल मुकाबले के फाइनल में प्रवेश किया था पर वजन अधिक निकलने के बाद उन्हें फाइनल से पहले ही अयोग्य घोषित कर बाहर कर दिया गया। विनेश ने फाइनल में जगह बनाकर इतिहास रचा है। वह ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। इस मुकाबले पर सभी भारतवासियों की की नजर थी पर मुकाबले से पहले ही वह बाहर हो गयीं। विनेश फोगाट के फाइनल में पहुंचने के बाद यह माना जा रहा था कि वह स्वर्ण जीतेंगी। विनेश ने महिला 50 किग्रा फीस्टाइल इवेंट के सेमीफाइनल में क्यूबा की रेसलर युसनेइलिस गुजमैन को 5-0 से हराया या। उनका फाइनल अमेरिका की सारा हिल्डेब्रांट से होना था पर इससे पहले ही उन्हें आयोग्य घोषित कर दिया गया।

आईसीसी ने श्रीलंका के स्पिनर जयविक्रमा से भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन पर मांगा जवाब

नई दिल्ली।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंकाई स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन के तीन आरोप लगाए हैं। जयविक्रमा के पास आरोपों का जवाब देने के लिए 6 अगस्त से 14 दिन का समय है।

आईसीसी के गुरुवार को जारी बयान के अनुसार जयविक्रमा कथित तौर पर बिना देरी किए भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को रिपोर्ट करने में विफल रहे कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मैचों और 2021 लंका प्रीमियर लीग के दौरान फिक्सिंग करने के लिए संपर्क किया गया था।

श्रीलंका के स्पिनर गेंदबाज प्रवीण जयविक्रमा ने भ्रष्ट आचरण करने के लिए संपर्क करने से संबंधित संदेशों को डिलीट कर दिया था। आईसीसी ने जयविक्रमा को आरोपों का जवाब देने के लिए 6 अगस्त से 14 दिन का समय दिया है।

श्रीलंकाई स्पिनर पर लगे आरोप

अनुच्छेद 2.4.4 - भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मैचों में फिक्सिंग करने के लिए प्राप्त संपर्क का विवरण, अनावश्यक देरी के बिना, भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को रिपोर्ट करने में विफल रहना।

अनुच्छेद 2.4.4 - भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को अनावश्यक देरी के बिना रिपोर्ट करने में विफल रहना, उस संपर्क का विवरण जो उन्हें प्राप्त हुआ था जिसमें उन्हें 2021 लंका प्रीमियर लीग में फिक्सिंग करने के लिए एक भ्रष्टाचारी की ओर से किसी अन्य खिलाड़ी से संपर्क करने के लिए कहा गया था।

अनुच्छेद 2.4.7 - उन संदेशों को हटाकर जांच में बाधा डालना जिनमें भ्रष्ट आचरण में शामिल होने के लिए संपर्क और प्रस्ताव किए गए थे।

संहिता के अनुच्छेद 1.7.4.1 और 1.8.1 के अनुसार, श्रीलंका क्रिकेट और आईसीसी ने सहमति व्यक्त की है कि आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच शुल्क के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग शुल्क के संबंध में भी कार्रवाई करेगा।

जिला स्टेडियम में नौ अगस्त को होगा जिला स्तरीय ट्रायल

महोबा।
जिला स्तरीय ट्रायल नौ अगस्त को जिला स्टेडियम में होगा। जहां जनपद स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुना जाएगा। इसके बाद वह प्रदेश स्तरीय ट्रायल में शामिल हो सकेंगे। यह जानकारी उप क्रीड़ाधिकारी रामचंद्र ने गुरुवार को दी है।

जिला क्रीड़ाधिकारी राम चंद्र ने बताया कि शुक्रवार को जिला स्टेडियम में विभिन्न खेलों को लेकर ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। जिसमें टेनिस, वॉलीबॉल, तैराकी, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, शतरंज, कुश्ती क्रिकेट और हॉकी सहित अन्य प्रतियोगिताओं का ट्रायल होगा व खिलाड़ी चयनित होंगे। ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए चुने जाएंगे, जहां 13 से 14 अगस्त को शानदार प्रदर्शन करने वालों को प्रदेश स्तरीय ट्रायल के लिए मौका मिलेगा और प्रदेश स्तरीय ट्रायल 22 से 23 अगस्त को होना है।

इंग्लैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित, रथनायके-थरका नये चेहरे

कोलंबो।
श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 अगस्त से मैनचेस्टर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 18 खिलाड़ियों की टीम घोषित कर दी है। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है। मिलन रथनायके और निसाला थरका टीम में नए चेहरे शामिल हुए हैं, इससे निश्चित रूप से टीम मजबूत होगी।

निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बेस्ट प्रदर्शन

33 वर्षीय निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने 107 मैचों में 257 विकेट और 2358 रन बनाए हैं। यह श्रृंखला राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनने का उनका पहला अवसर है।

दूसरी ओर, रथनायके अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन अभी तक उन्होंने पदार्पण नहीं किया है।

तेज गेंदबाजी लाइन-अप में असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कसुन राजिथा और लाहिरू कुमारा शामिल हैं। धनंजय डी सिल्वा की अगुवाई वाली टीम में बल्लेबाज पथुम निसांका और स्पिनर जेफरी वांडरसे की भी वापसी हुई है।

निसांका और वांडरसे ने आखिरी बार सबसे लंबे प्रारूप में 2022 में खेला था, वांडरसे का चयन एकदिवसीय मैच में भारत के खिलाफ 6/33 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद हुआ।

श्रीलंका के स्पिन आक्रमण का नेतृत्व प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस करेंगे जो टीम में गहराई और विविधता प्रदान करेंगे। कुसल मेंडिस को हाल ही में एकदिवसीय कप्तान के रूप में चरिथ असलांका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, जो टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के उप कप्तान होंगे।

श्रीलंका 50 प्रतिशत अंक प्रतिशत के साथ वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 36.54 प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर है।

यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह सुरक्षित करना है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए चयनित श्रीलंकाई टीम

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, निशान मदुश्का, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (उपकप्तान), एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चंडीमल, कामिंदु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कासुन राजिथा, लाहिरू कुमारा, निसाला थरका, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वांडरसे, मिलन रथनायके।

पहलवान अंतिम पंघाल, सहयोगी स्टाफ को वापस स्वदेश भेजेगा आईओए

पेरिस।
भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पहलवान अंतिम पंघाल और उनके सहयोगी स्टाफ को चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों के दौरान अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया है, क्योंकि उन्होंने ओलंपिक गांव की मान्यता अपनी बहन को दे दी थी।

एक बयान में, आईओए ने घोषणा की कि फ्रांसीसी अधिकारियों ने रिपोर्ट की है कि अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों ने अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन किया है।

आईओए ने कहा, फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा आईओए के संज्ञान में अनुशासनात्मक उल्लंघन लाए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने

पहलवान अंतिम और उनके सहयोगी कर्मचारियों को वापस भेजने का फैसला किया है।

फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, जब अंतिम पंघाल ने ओलंपिक खेल गांव में प्रवेश करने में मदद करने के लिए अपनी बहन को मान्यता दी। आईओए ने पुष्टि की कि भारतीय पहलवान और उनके सहयोगी कर्मचारियों को भारत वापस भेजा जाएगा।

बयान में कहा गया, अंतिम पंघाल ने अपनी बहन को मान्यता दी, ताकि वह खेल गांव में प्रवेश कर सके। फ्रांसीसी अधिकारियों ने आईओए से शिकायत की, और इसलिए उसे अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ भारत वापस भेजा जाएगा।

इससे पहले दिन में, अंतिम पंघाल चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों में महिलाओं की 53 किलोग्राम फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 बाउट में तुर्की की ज़ेनेप येतगिल से हार गईं।

अंडर 23 यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता तुर्की की पहलवान ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

कुश्ती के क्षेत्र में भारत की पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका तब लगा जब पहलवान विनेश फोगट को बुधवार को वजन के निशान को पार करने के कारण 50 किलोग्राम महिला कुश्ती स्पर्धा से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश को स्वर्ण पदक के मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट से भिड़ना था।

विनेश फोगट ने मंगलवार रात सेमीफाइनल में क्यूबा की युसनेलिस गुज़मैन लोपेज़ को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला किया था। भारत ने अब तक पेरिस ओलंपिक में तीन कांस्य पदक जीते हैं, सभी निशानेबाजी में आए हैं।

भारतीय एथलीट ज्योति याराजी का सफर समाप्त

नई दिल्ली। भारतीय एथलीट ज्योति याराजी का पेरिस ओलंपिक में सफर समाप्त हो गया है। ज्योति याराजी गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ रेपेचेज राउंड में 13.17 सेकेंड का समय लेकर हीट 1 में चौथा स्थान हासिल किया। इससे वह प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकीं। प्रत्येक हीट से शीर्ष दो पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचते हैं। साउथ अफ्रीका की मैरियोन फौरी ने 12.79 सेकेंड के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि नीदरलैंड्स की माएके तजिन-ए-लिम ने 12.87 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले बुधवार को भी ज्योति याराजी महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ के पहले राउंड में 13.16 सेकेंड का समय लेकर हीट 4 में सातवें स्थान पर रहीं थीं। इससे वह डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल नहीं कर पाईं। प्रत्येक हीट में शीर्ष तीन और अगले तीन सबसे तेज धावक सेमीफाइनल में पहुंचे, जबकि अन्य सभी रेपेचेज राउंड में पहुंचे। उनके पास रेपेचेज राउंड में अच्छा प्रदर्शन कर सेमीफाइनल नें पहुंचने का आखिरी मौका था, जिसमें वह सफल नहीं हो पाईं। वहीं भारतीय पहलवान अंशू मलिक महिलाओं के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 कुश्ती मुकाबले में हार गईं। उन्हें अमेरिका की हेलेन लुईस मारौलिस से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा। पहले राउंड में अमेरिकी पहलवान ने दो अंक जुटा कर बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे राउंड में भी अमेरिकी पहलवान ने यही प्रदर्शन जारी रखते हुए पांच अंक जुटाए, जबकि अंशु मलिक दो अंक ही जुटा पाईं।

ग्रेजुएशन बाद ये कोर्सेज दे सकते हैं करियर को नई दिशा

ग्रेजुएशन के बाद छात्रों को अक्सर इस बात की चिंता सताने लगती है कि उच्च शिक्षा के लिए वो कौन सा कोर्स करें, जो उनके करियर को नयी दिशा दे सके।लेकिन ग्रेजुएशन के बाद होने वाले कोर्सेस के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती। लेकिन, अब छात्रों को चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है क्योंकि एम.ए, एम.कॉम और एम,एस.सी से कुछ हॉट के कोर्सेस के बारे में बताने जा रहे हैं जो करियर के चुनाव में मददगार साबित हो सकती है।

बी एस सी के बाद क्या करें

बीएससी के बाद पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए अनेक विकल्प चुन सकते हैं या फिर सीधे किसी जॉब में लगकर अपने अनुभव और प्रतिभा के बल पर आगे बढ सकते हैं। बीएससी मात्र फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स, बायोलॉजी तक सीमित नहीं है।अनेक अप्लाइड साइंस सब्जेक्ट्स में बीएससी करके अपने करियर की राह आसान कर सकते हैं। बीएससी के बाद पोस्ट ग्रेजुएशन करना चाहते हैं, तो यह जरूरी नहीं कि आप एमएससी ही करें। आप एमबीए करके मैनेजमेंट के क्षेत्र में, एमसीए करके आईटी के क्षेत्र में, बीएड करके एजुकेशन के क्षेत्र में जा सकते है। तो कोई स्किल-बेस्ड शॉर्ट-टर्म टेक्निकल कोर्स भी कर सकते हैं, जैसे एसएपी, जावा, एसक्यूएल, फाइनेंशियल अकाउंटिंग।

बी ए के बाद क्या करें

जिसने बीए विषयों में ग्रेजुएशन किया है। किसी एक विषय में एमए कर सकते हैं। इसके अलावा बीएड, एमबीए, लॉ, हॉटेल मैनेजमेंट या टूरिज्म मैनेजमेंट जैसे डिग्री कोर्सेस कर सकते हैं।वहीं फिल्म मेकिंग, मास कम्यूनिकेशन, एनिमेशन, फैशन, हेयर स्टाइलिस्ट, ब्यूटीशियन, पीजीडीसीए जैसे डिप्लोमा कोर्सेज भी कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ आर्ट्स के बाद अंग्रेजी साहित्य, दर्शन शास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन करके बेहतर करियर बनाया जा सकता है।बी.ए करने के बाद एमए साइकोलॉजी करके मेडिकल और हेल्थ केयर क्षेत्र में साइकोलॉजिस्ट बन सकते है।फाइन आर्ट क्रिएटिव फिल्ड पेंटिंग या स्कल्पचर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।ऑर्कोलॉजी के कोर्स भी कई अच्छी यूनिवर्सिटीज करवाती हैं। एम इन ऑर्कोलॉजी भी करियर का अच्छा विकल्प हो सकता है।सिविल सर्विसेस, जर्नलिज्म, फॉरेन लैंग्वेज, अनुवादक (हिंदी-इंग्लिश ट्रांसलेटर्स), लाइब्रेरी या इंफोर्मेशन साइंस के कोर्सेस भी कर सकते हैं।

बी कॉम के बाद क्या करें

बीकॉम के बाद वही कोर्स करना चाहिए जिसमें अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। अगर कॉर्पोरेट सेक्टर में जॉब करना चाहते हैं तो एमबीए करना चाहिए। अगर टीचर बनना चाहते हैं बीकॉम के बाद आप बीएड कर सकते हैं। आप एमकॉम, एमफिल, पीएचडी कर लेते हैं और साथ ही नेट कालिफाई कर लेते हैं। तो आप बतौर लेचरर नियुक्त हो सकते हैं।आप इनकम टैक्स ऑफिसर, सीएस, सीए, आईसीडब्लूए, कॉस्ट एकाउंट जैसे कोर्सेस भी कर सकते हैं। इसके अलावा बैंक पीओ, डिफेंस और रेलवे में नौकरी के लिए भी एप्लाई कर सकते हैं।

इंटरनेट के इस्तेमाल से ऐसे कर सकते है घर बैठें अर्निंग

हम में बहुत सारे लोग ऐसे होगें जिन्हें ऑफिस में बैठ कर काम करना बिल्कुल नहीं पसंद होता लेकिन फिर भी मजबूरी के चलते ऑफिस में बैठ कर काम करना पड़ता हैं। लेकिन हम में से हर किसी में कोई न कोई टैलेंट होता ही है। किसी को फोटोग्राफी पसंद होती है तो कोई कुकिंग, वेब प्रोग्रामिंग डिजाइनिंग जैसे प्रोफेशन में परफेक्ट होता है लेकिन कई बार इसके लिए सही प्लेटफॉर्म और कीमत नहीं मिल पाती है। लेकिन अगर आपके पास यह टैलेट हैं तो यह खबर आपके काम की हो सकती हैं। क्योंकि इंटरनेट की दुनिया में आपके इस टैलेंट के कद्रदानों की कमी नहीं है। अगर आपके पास इस तरह का कोई खास टैलेंट है तो ऑनलाइन मार्केट में कई प्लेटफॉर्म आपका इंतजार कर रहे हैं। जिसके जरिए घर बैठे आप लाखों रुपए कमा सकते हैं। इतनी कमाई शायद ऑफिस में 8-10 घंटे बिताने के बाद भी न कर सकें। दिलचस्प बात यह है कि ऐसा करने के लिए आपको किसी तरह के खर्च या इन्वेस्टमेंट की जरूरत नहीं है। आज हम कुछ ऐसे ही वेबसाइट्स के बारे में बताते हैं जिसके जरिए आप अपने टैलेंट को दुनिया तक पहुंचा सकते हैं।

फोटोमूला : अगर आप फोटोग्राफी के शौकीन हैं तो फोटोमूला के साथ जुड़कर पैसे कमा सकते हैं। फोटोमूला एक ऐसा प्लेटफार्म है, जो फोटो खींचने वालों को फोटो के खरीददारों से मिलाता है। यहां पर मिलने वाली हर तस्वीर का कमर्शियल इस्तेमाल होता है। इसके लिए खरीददार द्वारा फोटोग्राफर को भुगतान तो किया ही जाता है साथ ही फोटोमूला को भी कमीशन मिलता है। इस वक्त फोटोमूला कई बड़ी एफएमसीजी कंपनियों और कई बड़ी एडवरटाइजिंग एजेंसियों के लिए काम कर रही है। फोटोमूला के साथ एशिया और यूरोप के हजारों फोटोग्राफर जुड़े हैं। इससे जुड़ने के लिए photo-moolah.com पर जाकर आपको अपना अकाउंट बनाकर अपनी तस्वीरें अपलोड करनी होंगी।

यूडेमाई : अगर आप कुकिंग, पोट्री, क्रॉफ्ट, स्केचिंग या फिर म्यूजिक, वेब प्रोग्रामिंग डिजाइनिंग जैसे प्रोफेशन के अच्छे जानकार हैं तो यूडेमाई से जुड़ सकते हैं। यूडेमाई एक ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म है। इस पर आप अपना वर्चुअल क्लासरूम शुरू कर सकते हैं। इस सर्विस की पहुंच करीब 14 लाख स्टूडेंटस तक है। हर माह करीब पांच लाख स्टूडेंट इस साइट पर विजिट करते हैं। इस पर 42 हजार से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। इससे जुड़ने के लिए आपको अपना अकांउट बनाकर अपने कोर्स को सेलेक्ट करना होगा। इसमें कम से कम 30 मिनट की क्लास को अपलोड करना होगा। कोशिश ये होनी चाहिए कि इस क्लास में 60 फीसदी वीडियो अपलोड हों।

ऐसे होती है कमाई : यहां आप अपना कोर्स अपलोड करते हैं तो इससे जुड़े स्टूडेंट इसे खरीदते हैं। इसके लिए वह साइट को भुगतान भी करते हैं। इसके बाद साइट फिर आपके अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर देती है। कंपनी से स्टूडेंट जिस रेट पर को खरीदते हैं उसका सौ फीसदी पेमेंट ऑनर को लौटा देती है। teach.udemy.com पर इसकी डिटेल उपलब्ध हैं।

टूर्स बाय लोकल : http:www.toursbylocals.com यह वेबसाइट पर्यटकों के लिए स्थालनीय गाइड उपलब्ध कराती है। अगर आपको लगता है कि आप अपने शहर की ऐतिहासिक स्थलों के बारे में सबकुछ जानते हैं तो इस वेबसाइट पर खुद को रजिस्टर्ड करें। इसके लिए आपको लोकल लैंग्वेज के अलावा इंग्लिश जानना भी जरूरी है। इससे 155 देशों के करीब 2000 गाइड जुड़े हैं। पर्यटक आपको काम के बाद खुद पेमेंट करेंगे।

फीलांसर : यह ऐसी जगह है जहां आप अपनी डिजाइन, फोटो, टैंपलेट, ग्राफिक, लोगो, फॉन्ट, वर्डप्रेस थीम को घर बैठे बेच सकते हैं। वहीं फांटेरो पर आप अपना ऑडियो, वीडियो, साउंड इफेक्ट आदि बेच सकते हैं। यहां काम के हिसाब से दाम मिलता है।

ऑनलाइन राइटिंग जॉब : यह जॉब ऐसे लोगों के लिए है जिन्हें लिखने में इंटरेस्ट है। ऑनलाइन राइटिंग जॉब इसलिए मशहूर हो रही हैं क्योंकि इंटरनेट पर हर वेबसाइट को रेग्युलर कॉन्टेंट को अपडेट करने की जरूरत होती है। आप 250 से 1000 रुपए तक इस जॉब से कमा सकते हैं। Fiverr, Elance, Freelancer.com के जरिए आप ढेरों राइटिंग जॉब्स पा सकते हैं।

ज्यादा फायदे वाले करियर ऑप्शंस...

साल 2017 शुरू हो चुका है और कई सारे युवा इस साल अपने करियर का चुनाव करने वाले हैं। करियर ऑप्शन तो आपके पास भी ढेर सारे होंगे लेकिन क्या आप ये नहीं जानना चाहेंगे कि आने वाले सालों में कौन से ऐसे करियर ऑप्शन हैं जिन्हें चुनने पर आप पैसे और ग्रोथ दोनों के मामले में फायदे में रहने वाले हैं। लीक से हटकर कई ऐसे नए करियर ऑप्शन भी हैं जहां सैलेरी तो खूब मिलती ही है लेकिन काम भी मजेदार है। आज हम आपको ऐसे ही पांच करियर ऑप्शन के बारे में बता रहा है...

सोशल मीडिया मैनेजर

आजकल जिस तरह सोशल मीडिया पर बिजनेस और लोगों की निर्भरता बढ़ती जा रही है ऐसे में ये करियर आने वाले दिनों में सबसे ज्यादा ग्रोथ दे सकता है। हर कंपनी सोशल मीडिया के जरिए अपना प्रचार करना चाहती है और इसके लिए योग्य लोगों को हायर करती हैं। सोशल मीडिया पर प्रचार करने वाली इस टीम को जो हैंडल करता है उसे ही सोशल मीडिया मैनेजर कहते हैं। इसका काम कंपनी के लिए बेहद अहम् है और यही काम सोशल मीडिया पर कंपनी की प्रेजेंस और रेपुटेशन बनाने का काम करता है।

क्वालिफिकेश: कम से कम ग्रेज्युएट

संभावित सैलरी: 30 हजार से 3 लाख रुपए तक प्रति माह

रिलेशनशिप थेरेपिस्ट

विदेशों में ये करियर करीब 5 साल पहले से ही काफी चलन में आ गया था। भारत में भी अब रिलेशनशिप थेरेपिस्ट की जरूरत महसूस कि जाने लगी है। जैसे-जैसे पति-पत्नी या कपल आने करियर और काम के बोझ से दबते जाते हैं उनका रिलेशनशिप इसके प्रभाव में आने लगता है। इससे कई तरह के झगड़े और गलतफहमियां पैदा होती हैं जिन्हें सुलझाने का काम ये रिलेशनशिप थेरेपिस्ट करते हैं। इस जॉब का मकसद कपल्स के रिलेशनशिप को बेहतर तरीके से चलाने के लिए टिप्स देने का होता है।

क्वालिफिकेश: कम से कम ग्रेज्युएट

संभावित सैलरी: 30 हजार से 1 लाख रुपए तक प्रति माह

ऐप डेवलपर

सोशल मीडिया के आलावा जिस सेक्टर में सबसे ज्यादा नौकरियां पैदा हो रहीं हैं वो है टेक। इसी सेक्टर के अंदर आने वाली ऐप डेवलपर जॉब भी आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकती है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की आज सुदूर इलाकों में भी पहुंच होती जा रही है ऐसे में हर कंपनी अपना ऐप बनवाना चाहती है। ऐसे में अगर आप ऐप डेवलपर बनने की सोच रहे हैं तो ये एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है।

क्वालिफिकेशन: कम से कम ग्रेजुएट और ऐप डेवलपमेंट कोर्स

संभावित सैलरी: 50 हजार से 5 लाख रुपए तक प्रति माह

एसईओ एनालिस्ट

सोशल मीडिया की ग्रोथ के साथ-साथ जो करियर बेहद तेजी से आगे बढ़ा है वो है एसईओ जिसका पूरा नाम है सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन। किसी भी वेबसाइट या ब्लॉग की सफलता के लिए एसईओ एक बेहद जरूरी फैक्टर है। एसईओ आपको गूगल या याहू के सर्च में पहले पेज पर रैंक कराते हैं।

क्वालिफिकेश: कम से कम ग्रेज्युएट, एसईओ का कोर्स

संभावित सैलरी: 30 हजार से 1 लाख रुपए तक प्रति माह

टेक्निकल राइटर

वैसे तो टेक्निकल राइटर काम भी लिखना होता है लेकिन इनका फोकस आईटी फर्म और उनकी टेक्नोलॉजी से जुड़ा होता है या फिर वह प्रोग्रामिंग कंपनी के लिए काम करते हैं। टेक्निकल राइटर के लिए एडॉब, ऑरकल और इससे जुड़े ब्रांड की जानकारी रहनी बेहद जरूरी है।

क्वालिफिकेश: कम से कम ग्रेज्युएट, प्रोग्रामिंग की जानकारी

संभावित सैलरी: 50 हजार से 1.7 लाख रुपए तक प्रति माह

माइनिंग सेक्टर में करियर बना कमा सकते हैं लाखों

खनन भारत के सबसे मुख्य और जीडीपी में मोटे योगदान वाले सेक्टर के तौर पर जाना जाता है। यह 88 खनिजों का उत्पादन करता है जिनमें से 4 ईंधन वाले, 10 धातु वाले, 50 गैर-धातु और 24 छोटे खनिज शामिल हैं। सर्वे करने वाली संस्था मकिंजी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले समय में भारतीय माइनिंग सेक्टर में 60 लाख नए रोजगार आने की संभावना है। इसके अलावा यह सेक्टर साल 2025 तक देश की जीडीपी में तकरीबन 4700 करोड़ डॉलर का योगदान दे रहा होगा। इसलिए वे युवा जो अभी करियर तय करने की कगार पर हैं। उनके लिए यकीनन यह फील्ड बढ़िया साबित होगी क्योंकि जितने समय वे इस फील्ड का कोर्स करके तैयार होंगे, लगभग उतने ही समय में यह क्षेत्र रोजगार की नई खेप के साथ खड़ा होगा। आइए हम आपको बताते है कि कैसे आप इस फील्ड में करियर बना अच्छी सैलरी पा सकते हैं।

इसलिए मिलेगी नौकरी

भारत छठा सबसे बड़ा लौह अयस्क का उत्पादन करने वाला और पांचवां बॉक्साइट अयस्क उत्पादक देश है। इसके पास 302 बिलियन कोयले का रिजर्व और 3000 से ज्यादा ऑपरेशनल माइंस हैं। इन अयस्कों की मांग दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि अगले पंद्रह वर्षों में अयस्कों की डिमांड बढ़ कर दोगुनी हो जाएगी। जियॉलजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के अनुसार, देश में करीब 31.4 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में खनिज उपलब्ध हैं। इनमें से करीब 5.71 लाख वर्ग किलोमीटर की पहचान गैर-ईंधन और गैर-कोयला खनिज उत्पादक क्षेत्र के तौर पर की गई है। वर्तमान में करीब 4550 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को लीज पर माइनिंग के लिए दिया गया है।

माइनिंग की पढ़ाई

माइनिंग की फील्ड को मिनरल फील्ड भी कहते हैं। इसमें उन तकनीक और तरीकों की पढ़ाई होती है जिनसे कई धातुओं के अयस्क खनन के जरिए इकट्ठा किए जाते हैं। इसमें धातु, नॉन मेटलिक, मार्बल्स, सॉलिड फ्यूल (कोयला आदि), चूना पत्थर (सीमेंट के लिए), ऊर्जा स्रोत और न्यूक्लियर मटीरियल शामिल रहते हैं। अयस्क हासिल करने में कई चरण की प्रक्रिया शामिल रहती है। इसमें उसे ढूंढना, वहां माइनिंग की संभावनाओं को चेक करना, माइनिंग से होने वाले मुनाफे का अंदाजा लगाना, क्षेत्र को मानिंग के लिए डिवेलप करना, माइनिंग करना, अयस्क से धातु का उत्पादन करना और मार्केटिंग करने तक की प्रक्रिया शामिल होती हैं। इसमें माइनिंग वाले बंदे को वैज्ञानिक तकनीकों और टेक्नॉलजी की मदद से ये काम करने होते हैं। किसी भी अन्य सेक्टर्स के मुकाबले माइनिंग में कैंडिडेट का भविष्य ज्यादा उज्जवल है। इसलिए अगर आप 12वीं बाद इंजीनियरिंग करने की सोच रहे हैं तो इस क्षेत्र में करियर बनाना भविष्य के लिए बढ़िया साबित होगा।

अच्छी सैलरी का क्षेत्र

सैलरी के मामले में यह सेक्टर बहुत अच्छा है। वह इसलिए क्योंकि इस क्षेत्र में काम बहुत है और लोग कम। इस क्षेत्र में शुरुआत ही कम से कम 25 हजार रुपये महीने से होती है। दो साल की सर्विस होते-होते सालाना सैलरी 7 लाख रुपये तक बढ़ सकती है। इसमें माइनिंग कंपनी और कैंडिडेट, दोनों की परफॉर्मेंस अहमियत रखती हैं। माइनिंग के कोर सेक्टर में सैलरी पैकेज ज्यादा मिलता है क्योंकि उसमें फील्ड जॉब होती है। कोर सेक्टर में कंपनियां मैनेजमेंट ट्रेनी लेवल पर कैंडिडेट को लेती हैं और एक साल की ट्रेनिंग के बाद उन्हें मैनेजर पद पर प्रमोट कर देती हैं। दूसरा हिस्सा माइनिंग लॉज, सेफ्टी और अन्य जरुरतों का होता है।

कोर्सेज

बीटेक/एमटेक इन माइनिंग इंजिनियरिंग, पीजी डिप्लोमा इन मिनरल इंजिनियरिंग, डिप्लोमा इन माइनिंग ऐंड माइन सर्वेइंग इंजिनियरिंग, पीएचडी इन माइनिंग इंजिनियरिंग/माइनिंग ऐंड मिनरल इंजिनियरिंग, माइन ऐंड क्वैरी इंजिनियरिंग, सिविल इंजिनियरिंग, मिनरल सर्वेइंग और जियॉलजी डिग्री ।

ये कंपनियां देती हैं नौकरियां

कोल इंडिया लिमिटेड, टाटा स्टील, रियो टिनटो, वाइजैग स्टील, मोनेट इस्पात, वेदांता, एचजेडएल, एचसीएल, इलेक्ट्रोस्टील, द इंडियन ब्यूरो ऑफ माइनिंग, जियॉलजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, आईपीसीएल, नालको, अडानी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड।

ट्रेनिंग से मिलेंगे आगे बढ़ने के मौके...

नई तकनीक सीखनी हो या ग्राहक की जरूरतें बेहतर तरीके से समझनी हों, नई जिम्मेदारियों के लिए अपनी स्किल्स अपग्रेड करनी हों या अपने कमजोर पक्षों को मजबूत करना हो, प्रोफेशनल ट्रेनिंग से आप बहुत कम समय में अपनी कार्यकुशलता बड़ा सकते हैं और मजबूती के साथ आगे ब? सकते हैं। लर्निंग से जुड़े एक ताजा सर्वे में पाया गया कि बेहतर स्किल्स वाले प्रोफेशनल्स के लिए रोजगार की संभावनाएं कहीं बेहतर हैं। इस सर्वे के अनुसार सीखने के लिए तत्पर रहने वाले प्रोफेशनल्स कार्यस्थल के बदलावों के हिसाब से खुद को ढालने में सक्षम होते हैं और बड़त बनाए रखते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स से नियोक्ता भी आकर्षित होते हैं। कंपनियां कर्मचारियों के लिए ट्रेनिंग कराती हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि ये ट्रेनिंग आपकी आवश्यकताओं के अनुरूप हों। इसलिए अपनी जरूरतों का आकलन करें। अपने मैनेजर या किसी भरोसेमंद सहकर्मी से बातचीत कर आप कामकाज से जड़े कमजोर पहलुओं की पहचान करें और इसी के अनुसार ट्रेनिंग की रणनीति तैयार करें। ट्रेनिंग दो तरह से हासिल की जा सकती है—एक है ऑन दि जॉब ट्रेनिंग (ऑफिस में दी जाने वाली ट्रेनिंग) और दूसरी, ऑफ दि जॉब ट्रेनिंग (ऑफिस से बाहर होने वाली ट्रेनिंग)।

ऑन दि जॉब ट्रेनिंग

यह ट्रेनिंग ऑफिस की तरफ से दी जाती है। इसमें आप ऑफिस के माहौल में नई चीजें सीखते हैं। इस ट्रेनिंग से आपका दृष्टिकोण व्यापक होता है, कार्यक्षमता बड़ती है और आपमें दूरदर्शिता आती है। चूंकि यह पूरी तरह प्रैक्टिकल होती है, इसलिए इससे आप कई तरह की स्किल्स विकसित कर सकते हैं। आजकल कई संस्थानों में ट्रेनिंग कैलेंडर भी प्रचलित हैं, जिसमें अपनी जरूरत के अनुसार ट्रेनिंग के लिए साइन-अप कर सकते हैं।

ऑफ दि जॉब ट्रेनिंग

यह ट्रेनिंग कार्य स्थल से बाहर दी जाती है। हालांकि यह ट्रेनिंग ऑफिस की तरफ से दी जाती है और आप स्वतंत्र रूप से भी ऐसी ट्रेनिंग ले सकते हैं। इस ट्रेनिंग के दौरान काम का तनाव नहीं होता और आप बेहतर तरीके से नई चीजें सीखने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। एक प्रतिष्ठित कंपनी में सीनियर एचआर मैनेजर रह चुकीं शैला सिंह बताती हैं, 'स्वतंत्र ट्रेनिंग आप अपनी सहूलियत से ले सकते हैं। इसमें आप अपनी प्लानिंग के अनुसार सॉफ्ट स्किल्स, मैनेजेरियल स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स, प्रजेंटेशन स्किल्स और काम से जुड़ी विशिष्ट ट्रेनिंग ले सकते हैं।'

इंटरपर्सनल कम्युनिकेशन स्किल्स ट्रेनिंग

समूह में काम करने के दौरान जब मुश्किल आती है तो अकसर शांत रहने वाले लोगों के संवाद स्पष्ट नहीं होते, वहीं कुछ इतना हावी हो जाते हैं कि अन्य सहकर्मी सहज भाव से काम करने में परेशानी महसूस करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए इंटरपर्सनल स्किल्स की ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें लोगों के हाव-भाव को समझते हुए खुद को प्रभावशाली तरीके से व्यक्त करना सिखाया जाता है।

फीचर एडवांटेज ट्रेनिंग

कई बार उपभोक्ताओं को किसी प्रोडक्ट की कीमत ज्यादा लगती है। ऐसे में उन्हें प्रोडक्ट खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने से जु?ी ट्रेनिंग है एफएबी। इसके तहत सेल्स से जु? लोगों को बताया जाता है कि वे महंगे प्रोडक्ट्स के फ ीचर्स को कैसे आकर्षक तरीके से पेश करें।

टेक्निकल स्किल्स ट्रेनिंग

तकनीक में होने वाले बदलावों के साथ सामंजस्य बिठाने के लिए आपको निरंतर ट्रेनिंग की जरूरत होती है। मसलन, अगर आपने सी प्लसप्लस में ट्रेनिंग ली है तो उसके नए संस्करण की जानकारी जरूरी है। ऐसी ट्रेनिंग में सॉफ्टवेयर अपडेट या ऑफिस के नए इक्विपमेंट्स के इस्तेमाल जैसी चीजें बताई जाती हैं।

कॉनफ्लिक्ट मैनेजमेंट ट्रेनिंग

कंपनी के अलग-अलग विभागों में सामंजस्य होने पर काम सुगम तरीके से हो पाता है, लेकिन कई बार विभागों में गतिरोध होने पर मुश्किलें पैदा होती हैं। मसलन, किसी प्रोजेक्ट को लेकर फाइनेंस और मार्केटिंग विभाग एक दूसरे के विपरीत खड़े नजर आते हैं। मार्केटिंग वाले कंपनी के विस्तार के लिए बड़े बजट की मांग करते हैं, वहीं फाइनेंस वालों को यह फिजूलखर्ची लगती है। ऐसे में सामंजस्य बनाना और सबके हित साथ लेकर चलना सिखाया जाता है।

ई-मेल ट्रेनिंग

चाहे आप मैनेजर हों या बिजनेस लीडर या इससे इतर काम संभालते हों, प्रोजेक्ट मीटिंग, ट्रबल शूटिंग, क्राइसिस मैनेजमेंट, सेल्स कॉल, कस्टमर सर्विस और कॉन्ट्रेक्ट नेगोशिएशन आदि के लिए आपको रोजाना ई-मेल करने की जरूरत होती है। ऐसे में सरल, स्पष्ट, त्रुटिविहीन और प्रभावी ई-मेल करने की ट्रेनिंग लेना बेहद आवश्यक है। इससे आप अन्य प्रोफेशनल्स से बेहतर संवाद स्थापित कर पाते हैं।

सोशल मीडिया मैनेजमेंट ट्रेनिंग

कंपनियों की छवि बहुत हद तक सोशल मीडिया में होने वाली चर्चा पर निर्भर करती है। ऐसे में कंपनी की साख बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया हैंडल करने, नकारात्मक टिप्पणियों से बचने और संवेदनशील जानकारियां गोपनीय रखने का तरीका सिखाया जाता है।

इमेज मैनेजमेंट

मैनेजर स्तर के प्रोफेशनल्स के लिए पद के अनुरूप बॉडी लैंग्वेज होना आवश्यक होता है। बड़े ओहदे पर काम कर लोगों से बड़ी अपेक्षाएं भी होती हैं कि वे संजीदगी के साथ समस्याओं का हल निकालेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए इमेज मैनेजमेंट ट्रेनिंग के अंतर्गत ड्रेसिंग स्टाइल, हाव-भाव, बोलने के लहजे जैसी बारीक चीजों पर ध्यान देने की ट्रेनिंग दी जाती है।

स्मार्ट ट्रेनिंग

स्मार्ट यानी 'स्पेसिफिक मेजरेबल एचीवेबल रियलिस्टिक टाइम' की अवधारणा के साथ काम करना। आईटी से जुड़े लोगों को कम समय में बड़े प्रोजेक्ट्स पूरे करने के लिए यह कारगर रणनीति सिखाई जाती है। इसके तहत स्पेसिफिक यानी विशिष्ट लक्ष्यों, मेजरेबल यानी गणना योग्य, एचीवेबल यानी जिन्हें पाना पहुंच के भीतर हो, रियलिस्टिक यानी व्यावहारिक और टाइम यानी समय प्रबंधन जैसे पक्षों पर ध्यान देना सिखाया जाता है। इसके अलावा भी पॉजिटिव थिंकिंग, स्ट्रेस मैनेजमेंट, करियर डेवलपमेंट, नेगोशिएशन टेक्नीक, सेल्स ट्रेनिंग, क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन, क्रिएटिव एंड क्रिटिकल थिंकिंग जैसी कई तरह की उपयोगी ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जाती हैं, जिसका आप फायदा उठा सकते हैं।

इमोशनल इंटेलिजेंस ट्रेनिंग

मैनेजर जैसे वरिष्ठ पद पर बैठे लोगों को अपने जूनियर्स के साथ उचित व्यवहार करना सिखाया जाता है। कई बार सेल्स टार्गेट हासिल करने के लिए मैनेजर अपने मातहत लोगों के साथ बहुत रूखे तरीके से पेश आते हैं, जिससे काम बिगड़ने की आशंका रहती है। इससे बचाव के लिए इमोशनल इंटेलिजेंस की ट्रेनिंग दी जाती है, जिसमें भावनाओं पर काबू रखते हुए टार्गेट हासिल करने का हुनर सिखाया जाता है।

टाइम मैनेजमेंट ट्रेनिंग

प्रोजेक्ट्स समयसीमा के भीतर पूरे करने के लिए इस ट्रेनिंग में महत्वपूर्ण कामों के लिए समय बांटने, शिड्यूलिंग प्रणाली अपनाने, विशेष काम आउटसोर्स करने और तकनीक का प्रभावी उपयोग सिखाया जाता है। इससे आप अपना मूल्यांकन बेहतर तरीके से कर पाते हैं। आप किन कामों में कितना वक्त लगाते हैं, किन कामों को टालते हैं, यह आपको स्पष्ट हो जाता है। साथ ही आपको डेस्क व्यवस्थित रखना भी सिखाया जाता है, ताकि आप न्यूनतम समय में अपने काम की चीजें खोज सकें। रोजमर्रा के कामों और उसके बीच ई-मेल, फोन कॉल आदि से पैदा होने वाली रुकावटों से किस तरह निबटा जाए, इसके लिए भी आपको उपयोगी सुझाव मिलते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**